जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 296 प्रभात कोटा, सोमवार 8 अगस्त, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

महिला मुक्केबाज़ नीतू घंघस ने कॉमनवैल्थ गेम्स महिला 48 किग्रा मुकाबले में गोल्ड मैंडल हासिल किया। नीतू ने मुक्केबाजी प्रतियोगिता के फाइनल मैंच में मेज़बान इंगलैण्ड की मुक्केबाज़ डेमी जेड को जबरस्त तरीके से मात दी। दो बार की विश्व यूथ चैंपियन नीतू ने अपनी विपक्षी को 4-0 के एकतरफा फैसले से मात दी। नीतू ने जीत के बाद कहा, ''मैं स्वर्ण पदक जीतने के बाद बेहद खुश हूं। मैं यह पदक अपने देशवासियों के नाम करना चाहती हूं। मैं भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ के समर्थन के लिये उनकी शुक्रगुज़ार हूं। मैं अपने कोचों, और अपने परिवार की भी शुक्रगुज़ार हूं क्योंकि मैं उनके समर्थन के बिना यह स्वर्ण नहीं जीत सकती थी।''

चीन ने ताइवान के ऊपर 100 से ज्यादा लड़ाकू विमान तैनात किए

चीन की इन आक्रामक गतिविधियों से चीन, ताइवान युद्ध की आशंका और प्रबल हो गई है

- चीन ने अपने नई पीढ़ी के हवा में फ्यूल भरने वाले वाई.यू.-20 विमानों को भी तैनात कर दिया है।
- चीन की सरकारी मीडिया ने खुद चीन की इस मिलिटरी ड्रिल की वीडियो और तस्वीरें दुनियाभर में प्रसारित कर यह दिखाने का प्रयास किया है कि, चीन ताइवान के खिलाफ कुछ बड़ा करने के प्रयास में है।
- चीन के लड़ाकू विमान, नौसेना के जहाज इत्यादि, ताइवान से सिर्फ 20 किलोमीटर की दूरी पर तैनात हैं।

ताइपे/ नई दिल्ली, 7 अगस्त। अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी की यात्रा के बाद चीन और ताइवान के बीच टेंशन बढ़ गई है। पेलोसी की यात्रा से तिलमिलाए चीन ताइवान के आसपास के इलाके में सैन्य अभ्यास तेज कर दिया है। ताइवान के आसपास उसने अपने 100 से अधिक युद्धक विमान तैनात कर दिए हैं। इसके साथ-साथ उसने अपने नई पीढ़ी के हवा में फ्यूल भरने वाले वाईयू-20 विमान को तैनात कर दिया है।

ताइवान के करीब ड्रैगन की गतिविधियां देखकर संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने चीन से अपने सैन्य अभ्यास को तुरंत बंद करने का आग्रह किया है। चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबाल टाइम्स की ओर से ट्वीट किए गए वीडियो में यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि कैसे चीनी सेना ताइवान के आसपास अपना पैर जमा रही है और सैन्य को अंजाम दे रही है।

ताइवान के साथ तनाव के बीच चीन की ओर से जारी किए गए वीडियो का मुख्य एजेंडा चीन की सैन्य ताकत को दिखाना है।

युद्धक विमानों से लेकर नई पीढ़ी के विमानों के शामिल किए जाने तक, संयुक्त नाकाबंदे अभ्यास ताइवान के लिए एक चेतावनी जैसा है। ताइवान पर बीजिंग पहले से ही अपना हक होने का दावा करते आ रहा है।

चीन का कहना है कि उसने ताइवान के आसपास के छह क्षेत्रों में युद्धक विमानों, नौसेना के जहाजों और मिसाइल हमलों से जुड़े अभ्यास शुरू कर दिए हैं।

वे द्वीप के तट से 20 किलोमीटर (12 मील) की दूरी पर स्थित हैं, जो संभावित रूप से ताइवान के जल क्षेत्र का उल्लंघन करते हैं।

चीन ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद यह कहते हुए सैन्य अभ्यास शुरू किया था कि उनकी यात्रा ने एक चीन नीति का उल्लंघन किया है। ताइवान पर चीन अपना दावा जताता है और उसने धमकी दी है कि जरूरत पड़ने पर वह बलपूर्वक इस द्वीप को अपने कब्जे में ले लेगा।

सबसे ज्यादा नियुक्तियां करने वाले देश के मुख्य न्यायाधीश हैं जस्टिस रमन्ना

जस्टिस रमन्ना ने अपने कार्यकाल में 105 से ज्यादा जजों की नियुक्तियां की हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है

- अपने करीब 15-16 महीने के कार्यकाल में उन्होंने विभिन्न हाईकोर्टों में जजों की रिक्तियां 411 से घटाकर 380 कर दी है।
- उनके मुख्य न्यायाधीश बनने से पहले विभिन्न हाईकोर्टों में जजों की 40 फीसदी सीटें खाली थीं।
- जस्टिस रमन्ना ने कॉलेजियम की आखिरी बैठक 25 जुलाई 2022 को आयोजित की थी। उसमें उन्होंने छह हाईकोर्ट के लिए जजों के 35 नामों की संस्तुति सरकार को भेजी।
- जस्टिस ललित 26 अगस्त को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे।

नई दिल्ली, 7 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एन.वी. रमना उच्च न्यायपालिका में जजों की सबसे ज्यादा नियुक्तियां करने वाले देश के मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। अपने एक वर्ष से थोड़ा ज्यादा के कार्यकाल में उन्होंने 100 से ज्यादा जजों की नियुक्तियां हाईकोर्ट में और पांच से ज्यादा नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट में की हैं। उच्च न्यायालयों में जजों की रिक्तियां 411 से घटकर 380 रह गई हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमना ने अप्रैल 24, 2021 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबडे का स्थान लिया था, उस समय देश के 24 हाईकोर्टों में जजों की 40 फीसदी (411) से ज्यादा रिक्तियां थीं। पटना हाईकोर्ट समेत कुछ हाईकोर्ट आधे से भी कम क्षमता के साथ काम कर रहे थे। लेकिन जस्टिस रमना ने आते ही कोलेजियम (न्यायाधीशों के चयन के लिए पांच वरिष्ठतम जजों का मंडल) में सर्वसम्मति बनाने के प्रयास किए और जजों की सिफारिशें स्वीकार होने लगीं।

केंद्र सरकार ने उनकी लगभग सभी सिफारिशें मानी और नियुक्तियां कीं। आज यह स्थिति है कि हाईकोर्ट में अब रिक्तियों की संख्या घटकर 380 रह गई है। दिलचस्प बात यह है कि जस्टिस रमना के पूर्ववर्ती जस्टिस एसए बोबडे अपने एक साल के कार्यकाल के दौरान एक भी नियुक्ति नहीं कर पाए थे। हालांकि, उनका पूरा कार्यकाल करोना महामारी के दौरान का रहा, लेकिन नियुक्तियों का करोना से कोई संबंध नहीं था। कोलेजियम की सर्वसम्मति ही इसमें महत्वपूर्ण मुद्दा था। जस्टिस रमना 26 अगस्त 2022 को सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

जस्टिस रमना ने कॉलेजियम की आखिरी बैठक 25 जुलाई 2022 को आयोजित की थी। उसमें उन्होंने छह हाईकोर्ट के लिए जजों के 35 नामों की संस्तुति सरकार को भेजी। इनमें से आठ नाम न्यायिक अधिकारियों के हैं। इसके बाद उन्होंने एक और बैठक की जो सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों को लाने के लिए थी, लेकिन इसमें सर्वसम्मति नहीं बन पाई। इसके बाद उन्होंने एक और प्रयास 1 अगस्त को किया, लेकिन अन्य चार जज इसके लिए तैयार नहीं हुए।

इस बीच केंद्र सरकार ने उन्हें एक पत्र भेजा और अपने उत्तराधिकारी का नाम संस्तुति करने का आग्रह किया। जस्टिस रमना ने अगले दिन अपने उत्तराधिकारी के लिए जस्टिस यूयू ललित का नाम सरकार को भेज दिया। सरकार को नाम भेजते ही वह कोलेजियम की बैठक से दूर हो गए। जस्टिस ललित 26 अगस्त को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे।

रास्ते से भटक गया इसरो का सैटलाइट

नई दिल्ली, 7 अगस्त। आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर एस.एस.एल.वी. द्वारा लॉन्च किए गए सैटलाइट से निराशा हाथ लगी है। इसरो ने रविवार को बताया कि स्मॉल सैटलाइट लॉन्च वीइकल एस.एस.एल.वी.-डी-1 अब इस्तेमाल लायक नहीं रह गया है क्योंकि इसे पृथ्वी की सर्कुलर ऑर्बिट की जगह एलिप्टिकल ऑर्बिट

- इसरो को आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर एस.एस.एल.वी. द्वारा लॉन्च किए गए सैटलाइट से निराशा हाथ लगी है।

में स्थापित कर दिया गया। बताया गया कि सेंसर फेल्योर की वजह से इसने अपनी दिशा बदल दी और यह गलत कक्षा में स्थापित हो गया

इसरो ने कहा है कि, इस बार हुई चूक को अनैलाइज किया जाएगा। इसके बाद सुधार के साथ जल्द ही एस.एस.एल.वी.-डी2 लॉन्च किया जाएगा। संगठन की ओर से कहा गया, एस.एस.एल.वी.-डी-1 ने सैटलाइट को 356 किमी. एलिप्टिल ऑर्बिट में प्लेस कर दिया जबकि इसे 356 किमी सर्कुलर ऑर्बिट में स्थापित किया जाना था। अब सैटलाइट इस्तेमाल में नहीं आ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष पर जमकर भड़कीं मारग्रेट अल्वा

अल्वा ने कहा कि, विपक्षी दलों ने डायरैक्ट व इनडायरैक्ट तरीके से एन.डी.ए. को सपोर्ट किया है

नई दिल्ली, 7 अगस्त। उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्ष की उम्मीदवार मारगेट अल्वा शनिवार को हार के बाद अपने सहयोगियों पर भड़क उठीं। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी दलों ने भी डायरेक्ट या इनडायरेक्ट तरीके से एन.डी.ए. उम्मीदवार का समर्थन किया है। गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में मार्गरिट अल्वा को 200 से भी कम वोट मिले हैं। इससे पहले उन्होंने नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि चुनाव संपन्न होने के बा उपराष्ट्रपति पद के लिए लड़ाई तो खत्म हो चुकी है। हालांकि संविधान की रक्षा, लोकतंत्र की मजबूती और संसद की गरिमा को स्थापित करने का संघर्ष जारी रहेगा।

अल्वा ने चुनाव हारने के बाद ट्विटर पर अपनी बातें लिखीं। उन्होंने विपक्षी दलों की एकता में कमी पर निराशा जाहिर की। उन्होंने लिखा कि यह चुनाव विपक्षी दलों के लिए एक शानदार अवसर की तरह था। उनके पास विपक्षी एकता की ताकत को जाहिर करने का पूरा मौका था। वह बीते हुए कल को पीछे छोड़कर एक-दूसरे के अंदर भरोसा पैदा कर सकते थे। लेकिन दुर्भाग्य से कुछ विपक्षी दलों ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा का साथ देने का फैसला किया। इसके चलते विपक्ष की एकता की गाड़ी पटरी से उतर गई। इसके साथ ही देश का उपराष्ट्रपति चुने जाने पर जगदीप धनखड़ को बधाई। साथ ही उन्होंने विपक्ष के सभी नेताओं और खुद को वोट देने वाले सभी सांसदों और चुनाव के दौरान अपने अभियान में साथ देने वाले वॉलंटियर्स का भी शुक्रिया अदा किया।

गौरतलब है कि कई विपक्षी दलों- जनता दल (यूनाइटेड), वाई.एस.आर. सी. पी., बी.एस.पी., ए.आई.ए. डी. एम. के. और शिवसेना ने धनखड़ का समर्थन किया था। वहीं ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने विपक्षी दलों पर उम्मीदवार चुनने से पहले सलाह न लेने का आरोप लगाते हुए इस चुनाव से दूर रहने का फैसला किया था। इसके बावजूद टी.एम.सी. के दो सांसद वोट डालने पहुंचे थे। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अल्वा को संयुक्त विपक्ष की भावना को शानदार ढंग से प्रदर्शित करने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

- अल्वा ने चुनाव हारने के बाद ट्विटर पर अपनी बातें लिखीं। उन्होंने लिखा कि, यह चुनाव विपक्षी दलों के लिए एक शानदार अवसर की तरह था। उनके पास विपक्षी एकता की ताकत को जाहिर करने का पूरा मौका था। वह बीते हुए कल को पीछे छोड़कर एक-दूसरे के अंदर भरोसा पैदा कर सकते थे।

श्रीकांत त्यागी भाजपा का नेता है?

नई दिल्ली, 7 अगस्त। नॉएडा सैक्टर-93बी स्थित ग्रैंड ओमैक्स सोसाइटी में महिला से बदसलूकी कर चर्चा में आए नेता श्रीकांत त्यागी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के नेता कीर्ति आजाद ने रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ श्रीकांत त्यागी की फोटो शेयर कर भाजपा पर चुटकी ली है। इस तस्वीर में श्रीकांत त्यागी भाजपा अध्यक्ष नड्डा को एक गुलदस्ता भेंट करता दिख रहा है। हालांकि, लाइव हिन्दुस्तान इस तस्वीर की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

इस फोटो की कैप्शन के तौर पर उन्होंने वायरल

- भाजपा महिला से बदसलूकी के आरोपी नॉएडा के नेता श्रीकांत त्यागी से पल्ला झाड़ने के लाख प्रयास कर रही है, लेकिन रोज़ उनके भाजपाई होने के नये-नये सबूत सामने आ रहे हैं।

हो रहे एक मीम की लाइन- देख रहे हो ना विनोद, श्रीकांत त्यागी का भाजपा से कोई लेना-देना नहीं है भी लिखी है। महिला के साथ बदसलूकी का वीडियो वायरल होने के बाद से श्रीकांत त्यागी फरार है। उसके खिलाफ एफ.आई.आर. भी दर्ज हो चुकी है और पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में जुटी हैं।

बता दें कि, कथित तौर पर खुद को भाजपा नेता बताने वाले श्रीकांत त्यागी का अपनी सोसाइटी में एक महिला से बदसलूकी करने का वीडियो वायरल होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अयोध्या में जमीन घोटालेबाजों की लिस्ट में भाजपा विधायक व मेयर का नाम भी शामिल

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने अवैध रूप से जमीन खरीद-फरोख्त करने वाले 40 लोगों की लिस्ट जारी की

- इस लिस्ट में अयोध्या के महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और पूर्व क्षेत्रीय विधायक गोरखनाथ बाबा का नाम भी शामिल है।
- गौरतलब है कि, पिछले दिनों सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि, ''भाजपा के पापी नेताओं कम से कम अयोध्या को तो छोड़ दो।''
- अखिलेश यादव ने कहा था कि, भाजपा के नेताओं ने जिम्मेदार विभागों से सांठगांठ कर अब तक 30 अवैध कॉलोनियां बसाकर सरकार को अरबों रुपये के राजस्व का चूना लगाया।

अयोध्या, 7 अगस्त। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने अपने क्षेत्र में अवैध रूप से जमीन बेचने और उन पर निर्माण कराने वाले 40 लोगों की लिस्ट जारी की है। इनमें अयोध्या के महापौर ऋषिकेश उपाध्याय और भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता भी शामिल हैं। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने मीडिया को बताया कि प्राधिकरण की ओर से शनिवार रात प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध रूप से जमीन की खरीद-फरोख्त और निर्माण कार्य कराने वाले 40 लोगों की एक लिस्ट जारी की गई। उन्होंने कहा कि इस लिस्ट में शामिल इन सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण की ओर से जारी लिस्ट में बीजेपी विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय के नाम भी शामिल हैं। गुप्ता और उपाध्याय ने इसके जवाब में आरोप लगाया कि यह एक साजिश है और उन्हें गलत तरीके से इस मामले में फंसाया गया है। लिस्ट में मिल्कीपुर क्षेत्र से पूर्व बीजेपी विधायक गोरखनाथ बाबा का नाम भी शामिल है। गौरतलब है कि इस साल के शुरू में हुए विधानसभा चुनाव से पहले अयोध्या में गलत तरीके से जमीन की खरीद-फरोख्त किए जाने का मामला गर्माया था। क्षेत्रीय सांसद लल्लू सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर इस मामले की विशेष अनुसंधान दल से जांच कराने की मांग की थी। अयोध्या में जमीन की अवैध खरीद-फरोख्त का जब मामला गर्माया था तब यूपी के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक ट्वीट कर इस मामले पर कहा था, ''हमने पहले भी कहा है, फिर दोहरा रहे हैं... भाजपा के भ्रष्टाचारी कम-से-कम अयोध्या को तो छोड़ दें।''

इससे पहले सपा ने अपने आधिकारिक हैंडल से किए गए ट्वीट में कहा था, ''अयोध्या में भाजपाइयों का पाप! भाजपा के महापौर, नगर विधायक और पूर्व विधायक भू-माफियाओं के साथ मिलकर बसा रहे अवैध कॉलोनियां। जिम्मेदार विभागों से सांठगांठ कर अब तक 30 अवैध कॉलोनियां बसाकर सरकार को अरबों रुपये के राजस्व का लगाया चूना। मामले की हो जांच। दोषियों के खिलाफ हो कार्रवाई।''

गौरतलब है कि, कुछ महीने पहले इस मामले को उठाने वाले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय सिंह ने भी अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा लिस्ट जारी किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के लोगों की आस्था भगवान श्रीराम में नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार में है। सिंह ने एक बयान में कहा कि प्रभु राम के नाम पर जमीन के घोटाले का खुलासा सबसे पहले उन्होंने किया था और उस वक्त भी अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय का नाम आया था। उन्होंने कहा कि आज जमीन का घोटाला करने वाले लोगों की जो लिस्ट जारी हुई है, उसमें अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, अयोध्या नगर के भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा का भी नाम शामिल है।

ज़वाहीरी का शव

काबुल, 7 अगस्त (वार्ता)। तालिबान ने कहा है कि, उसे अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अमेरिकी मिसाइल हमले के स्थल से अल-कायदा आतंकवादी समूह के नेता अयमान अल-जवाहिरी का शव नहीं मिला।

इससे पहले सप्ताह में, तालिबान ने कहा था कि, उसे अल-जवाहिरी के काबुल में आने और रहने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने शनिवार को कहा, हमें उस जगह पर कोई शव नहीं मिला जहां अमेरिकी ड्रोन ने हमला किया था।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने पहले अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि

- तालिबान ने कहा है कि, उसे काबुल में अमेरिकी मिसाइल हमले के स्थल से अल-कायदा आतंकवादी समूह के नेता अयमान अल-ज़वाहीरी का शव नहीं मिला।

अल-जवाहिरी हाल के महीनों में सिराजुद्दीन हक्कानी के परिसर के पास मध्य काबुल में रह रहा था। सूत्रों के अनुसार अल-जवाहिरी 2021 के अंत में काबुल चला गया और हक्कानी के संरक्षण में था।

व्हाइट हाउस ने पुष्टि की कि अमेरिका ने 30 जुलाई को काबुल में एक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप ओसामा बिन लादेन की मौत के बाद आतंकवादी समूह का नेतृत्व करने वाले अल-जवाहिरी को एक ड्रोन के जरिये दो हेलफायर मिसाइलों से उसे ढ़ेर कर दिया गया।

विचार बिन्दु

कोयल दिव्य आम रस पीकर भी अभिमान नहीं करती, लेकिन मेंढक कीचड़ का पानी पीकर भी टर्राने लगता है। –प्रसंग रत्नावली

समर्थ को दोष क्यों नहीं?

परीक्षाएं पहले भी होती थीं, अब भी होती हैं, आगे भी होती रहेंगी। अपने लगभग साढ़े तीन दशकों के सेवा काल में और उसके बाद भी मैंने न जाने कितनी भूमिकाओं में परीक्षाओं के संचालन में सहभागिता की है। हर परीक्षा उससे जुड़े व्यक्ति की भी परीक्षा होती है। अब संतोष होता है कि सब कुछ ठीक-ठाक रहा, कोई प्रवाद नहीं हुआ। लेकिन समय के बदलने के साथ-साथ परीक्षा करवाना जटिल से जटिलतर होता जा रहा है। अब तो समय ऐसा आ गया है कि शायद ही कोई परीक्षा हो जो बिना किसी विवाद के संपन्न हो सकी हो। ऐसे में हाल में राजस्थान में रीट जैसी बड़ी परीक्षा का निर्विघ्न संपन्न हो जाना बहुत राहत की बात है।

परीक्षा भले ही निर्विघ्न संपन्न हो गई। कम से कम मेरे मन में बहुत सारी बातें छोड़ गई है। आज एक बात की ही चर्चा करूंगा। जैसे-जैसे परीक्षा कार्य संपन्न करवाना कठिन होता जा रहा है, उसे आयोजित करवाने वालों को दिए जाने वाले निर्देश भी बढ़ते जा रहे हैं। कभी इण्टरनेट बंद किया जाता है (जो पहले कभी नहीं किया जाता था। पहले तो होता भी नहीं था), तो कभी परीक्षार्थियों के लिए क्या पहनें और क्या न पहने की विस्तृत दिशा-निर्देशिका ज़ारी की जाती है। प्रश्न पत्र लीक हो जाने की आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए इस आशय के निर्देश भी ज़ारी किए जाते हैं कि एक निश्चित समय के बाद परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश न दिया जाए। आज मैं ऐसे ही कुछ निर्देशों के बारे में चर्चा करना चाहता हूं। जिस दिन परीक्षा आयोजित होती है उस के अगले दिन के अखबार इस तरह की खबरों से भरे रहते हैं कि कोई परीक्षार्थी केवल पांच मिनिट देर से आया तो भी उसे परीक्षा केंद्र में नहीं घुसने दिया गया या किसी महिला परीक्षार्थी से उसका मंगलसूत्र तक उतरवा दिया गया। ऐसी ख़बरें हम हर परीक्षा के बाद पढ़ते हैं।

इस बार भी ये सब पढ़ने को मिलीं। ऐसी ख़बरों में सहानुभूति का एक अतिरिक्त तड़का भी मार दिया जाता है। मसलन यह कि दो दिन पहले ही मां बनी एक युवती को सिर्फ़ दस मिनिट देर से आने पर परीक्षा केंद्र में नहीं घुसने दिया गया। समझा जा सकता है कि मां बनने वाली बात उसके प्रति अतिरिक्त सहानुभूति पैदा करने के लिए लिखी गई है। उसके प्रति सहानुभूति और परीक्षा करवाने वालों की निर्ममता के प्रति नाराज़गी पैदा करने के लिए। माना जा सकता है कि अखबार का संवाददाता बेहद संवेदनशील है और उससे किसी का दुख देखा नहीं जाता है। लेकिन क्या बात केवल इतनी-सी है? क्या इस बात का कोई रिश्ता हमारे सोच की बनावट से भी जुड़ता है?

जैसा मैंने पहले कहा, आजकल परीक्षा आयोजित करना बहुत जटिल होता जा रहा है। परीक्षार्थी पहले से अधिक चालाक हो गया है, उसके साथ इस परीक्षा रूपी किले में सेंध लगाने के लिए अन्य अनेक ताकतें भी जुड़ गई हैं। इसलिए जो परीक्षा आयोजित करते-करवाते हैं उन्हें भी पहले से ज़्यादा सावधानी बरतनी पड़ती है। कुछ ख़ास तरह की वेशभूषा का आग्रह, समय की पाबंदी का कठोरता से निर्वाह ऐसी ही सावधानियां हैं। देखने की बात यह है कि इस तरह की सावधानियां और पाबंदियां जीवन के अन्य अनेक क्षेत्रों में भी बरती जाती हैं। क्या हम उनको लेकर भी ऐसी ही मानवीय करुणा से भरी ख़बरें लिखते और टिप्पणियां करते हैं? या कुछ के प्रति हम अधिक सहानुभूतिशील होते हैं और कुछ के प्रति हम ज़रूरत से ज़्यादा छिद्रान्वेषी हो जाते हैं? किनकी कड़ाई को हम सहज भाव से स्वीकार करते हैं और किनकी कड़ाई हमें दुखी करती है?

एक मामूली आदमी, मसलन कबाड़ी का रद्दी अखबार तोलने में डण्डी मारना हमारे लिए चर्चा का विषय बन जाता है। आप किसी पांच सितारा होटल में जाकर बाहर बीस रुपये में मिलने वाली पानी की बोतल के दो सौ रुपये सहर्ष दे देंगे, लेकिन जब एक साइकिल रिक्शा वाला आपको एक से दूसरी जगह ले जाने के दस रुपये मांगेगा तो आपको लगेगा कि वह आपको लूट रहा है।

जीवन के बहुत सारे क्षेत्र ऐसे हैं जहां कड़े फैसले होते हैं और तदनुरूप कार्यवाही भी की जाती है। पुलिस चोर को पकड़ती है, उसे दण्डित करती है। न्यायपालिका भी इसी तरह के काम करती है। कभी किसी को सपरिश्रम कारावास तो यदा-कदा किसी को मृत्यु दण्ड भी। इनके अलावा भी अनेक इलाके हैं जहां कठोर फैसले होते हैं। क्या तब भी हमारे पत्रकार मित्र इसी तरह कातर होते हैं? अगर पुलिस किसी को गिरफ्तार करती है तो कभी यह क्यों नहीं लिखा जाता कि इसने बस, एक छोटी-सी ग़लती ही तो की थी! और यही क्यों? अगर मैं जयपुर से सड़क मार्ग से दिल्ली जाते हुए ट्रैफिक जाम में फंस जाऊं और दिल्ली से मुझे विदेश ले जाने वाली फ्लाइट छूट जाए तो मुझे होने वाली असुविधा और आर्थिक क्षति पर एक बूंद भी आंसू क्यों नहीं टपकाया जाता? किसी एयरलाइंस पर उस समय कोई सवाल क्यों नहीं उठाया जाता जब वह एक निश्चित समय पर बोर्डिंग गेट बंद कर देती है? इन सबकी व्यवस्थाओं को हम बहुत सहज भाव से स्वीकार करते हैं, लेकिन जब शिक्षा की दुनिया में किसी व्यवस्था का पालन (वह भी मज़बूरी में) किया जाता है तो हमारी सहानुभूति के परनाले बहने लगते हैं!

मेरा ऐसा मानना है कि पूरे समाज के लिए शिक्षा और उससे जुड़े लोग सॉफ्ट टार्गेट हैं। जब भी किसी का जी चाहता है, इन्हें गरिया दिया जाता है। इसलिए कि ये ताकतवर नहीं हैं। बाबा तुलसीदास याद आते हैं: ***समरथ को नहिं दोष गुसाईं।*** पुलिस, न्यायपालिका, रेल, हवाई जहाज - ये सब समर्थ हैं। इसलिए हम इन पर कभी उंगली नहीं उठाएंगे। शिक्षक कमज़ोर है, उसे हर समय कटघरे में खड़ा करते रहेंगे।

यहां शिक्षक को अधिक व्यापक संदर्भ में लें - जो भी शिक्षा से जुड़ा काम कर रहा है, वह शिक्षक है।

परीक्षा से जुड़ा काम भी शिक्षा से जुड़ा काम है। वैसे, कमज़ोर और ताकतवर के बीच यह भेद यहीं नहीं, हमारे चारों तरफ नज़र आता है। आप चौराहे पर ट्रैफिक नियंत्रित करने वाले अल्प वेतन भोगी सिपाही के तथाकथित भ्रष्ट आचरण पर तो खूब टिप्पणी करेंगे लेकिन उसको ऐसा करने के लिए विवश करने वाली व्यवस्था पर चुप रहेंगे। तथाकथित का प्रयोग मैंने जान बूझकर और सोच समझकर किया है। इस बात पर ज़रूर विचार करें कि ज़्यादातर मामलों में वह आपसे पैसे नहीं मांगता है, आप खुद आगे बढ़कर उसे पैसे देते हैं। पांच सौ रुपये का चालान कटवाने की बजाय सौ रुपये उसके हाथ में देकर आप खुद ईमानदार बन जाते हैं और उसे चोर घोषित कर देते हैं। अपने चारों तरफ हमें भ्रष्टाचार नहीं दिखाई देता है। कभी हम इस बात पर ध्यान नहीं देते हैं कि लोग जो अनाप शनाप खर्चा कर रहे हैं वह आ कहां से रहा है। बीस तीस हज़ार की तनख़्वाह वाला बोलेरो में घूमता है लेकिन वह हमारी आंखों में नहीं खटकता है। ये सब हमारे लिए सदा सम्मानित बने रहते हैं। लेकिन एक मामूली आदमी, मसलन कबाड़ी का रद्दी अखबार तोलने में डण्डी मारना हमारे लिए चर्चा का विषय बन जाता है। आप किसी पांच सितारा होटल में जाकर बाहर बीस रुपये में मिलने वाली पानी की बोतल के दो सौ रुपये सहर्ष दे देंगे, लेकिन जब एक साइकिल रिक्शा वाला आपको एक से दूसरी जगह ले जाने के दस रुपये मांगेगा तो आपको लगेगा कि वह आपको लूट रहा है।

ऐसा नहीं है कि शिक्षा की दुनिया में सब साफ सुथरा है। बेशक वहां भी बहुत कुछ है जो धूसर है, और उस पर बात होनी भी चाहिए। लेकिन इस प्रसंग में तो यह भी देखा जाना चाहिए को जो कड़ाई बरती जा रही है वह समय की ज़रूरत है। एक प्रसंग का ज़िक्र करके इस बात को विराम दूंगा। स्वयं प्रकाश हिंदी के बड़े कथाकार हैं। कुछ समय पहले उनकी एक संस्मरणात्मक पुस्तक आई थी - ***धूप में नंगे पांव।*** इस पुस्तक में उन्होंने अपने जीवन से जुड़ा एक प्रसंग लिखा है। वे एम.ए. हिंदी की परीक्षा दे रहे थे। जहां वे रहते थे, परीक्षा केंद्र वहां से चालीस किलोमीटर दूर था। जिस दिन उनका आखिरी पेपर था, संयोग कुछ ऐसा बना कि वे ठीक समय पर परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सके। और वे सिर्फ़ पांच मिनिट लेट नहीं हुए थे। इस किताब के विवरण के अनुसार वे दो घण्टा देर से पहुंचे। (वैसे वे दो घण्टा नहीं कोई आधा घण्टा देर से पहुंचे थे। यह जानकारी इसलिए कि मैं खुद इस प्रसंग का एक किरदार था। किताब में ज़िक्र है। लेकिन कथाकार अतिशयोक्ति करने का हक़ रखता है!) और प्राचार्य ने उन्हें परीक्षा देने दी। (अगर आपके पास यह किताब हो तो देखें पृ 128-129)। लेकिन, जैसा मैंने कहा, वह समय अलग था। आज जैसा जटिल नहीं था। ऐसा नहीं है कि आज का पूरा शिक्षा तन्त्र अमानवीय हो गया है। मज़बूरी यह है कि आज अगर कोई परीक्षा कर्मचारी किसी को ज़रा भी छूट दे दे तो न जाने कितने प्रवाद उठ खड़े हों। और यह भी पता नहीं कि जिसे छूट दी जाए वह उसका सुपात्र है या कुपात्र! क्या पता कुछ देर से आने वाला बाहर से लीक हुए पर्चे के उत्तर लेकर भीतर आ रहा हो! क्या पता किसी महिला ने अपने किसी आभूषण में नकल करने की कोई डिवाइस छिपा रखी हो। क्या पता....क्या पता!

ऐसे में ज़िम्मेदार पत्रकारिता से, और समाज से भी, यह उम्मीद तो बनती ही है कि वह कमज़ोर के प्रति सहानुभूति रखते हुए उनके प्रति भी निर्मम न हो जो दिये हुए निर्देशों का पालन करके अपने कर्तव्य का समुचित निर्वहन कर रहे हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद् और साहित्यकार)

अदालतों में मुकदमों के अंबार को कम करने पर हो मंथन

लाख प्रयासों के बावजूद देश की अदालतों में मुकदमों का अंबार कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश की अदालतों में सात करोड़ से अधिक मुकदमे लंबित हैं। इनमें से करीब 87 फीसदी मुकदमे देश की निचली अदालतों में लंबित हैं तो करीब 12 फीसदी मुकदमे राज्यों के उच्च न्यायालयों में लंबित चल रहे हैं। देश की सर्वोच्च अदालत में एक प्रतिशत मुकदमे लंबित हैं। पिछले दिनों जयपुर में आयोजित एक समारोह के दौरान न्यायालयीय प्रक्रिया और सर्वोच्च न्यायालय में पैरवी करने वाले वकीलों की फीस को लेकार अच्छी खासी चर्चा हुई जो मीडिया की सुर्खियां भी बनी। वहीं अगस्त में कार्य भार संभालने वाले नए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति यूयू ललित द्वारा अदालत में सुबह साढ़े नौ बजे सुनवाई आरंभ करने की पहल पर भी वाद-विवाद का दौर जारी है। उधर सरकार ने मानसून सत्र में कुछ बदलावों के साथ मध्यस्थता विधेयक लाने का संकेत दिया है तो दूसरी ओर न्यायाधीशों की भर्ती में एकरुपता लाने के केन्द्र के प्रयास लगभग विफल हो गए हैं।

हांलाकि इसमें कोई दो राय नहीं कि न्यायालयों में मुकदमों का अंबार लगा हुआ है तो दूसरी और सभी पक्ष इसे लेकर चिंतित भी हैं। सवाल यह है कि मुकदमों के इस अंबार को कम करने के लिए कोई ऐसी रणनीति बनानी होगी जिससे अदालतों का भार भी कम हो न्यायिक प्रक्रिया लंबी भी ना चले, लोगों को समय पर न्याय भी मिले। पिछले पांच साल में ही देश में लंबित मुकदमों की संख्या चार करोड़ से बढ़कर आज सात करोड़ हो चुकी है। हांलाकि लोक अदालत के माध्यम से मुकदमों में कमी लाने की सार्थक पहल अवश्य की गई है पर लोक अदालतों में लाखों प्रकरणों के निबटने के बावजूद हालात में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। दरअसल लाखों की संख्या में इस तरह के मुकदमे हैं जिन्हें निपटाने के लिए कोई सर्वमान्य समाधान खोजा जा सकता है। मुकदमों की प्रकृति के अनुसार उन्हें विभाजित किया जाए और फिर समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर उन्हें निपटाने की कार्य योजना बने तो समाधान कुछ हद तक संभव है। कुछ इस तरह के मुकदमे हैं जिन्हें आसानी से निपटाने की कोई योजना बन जाए तो मुकदमों की संख्या में कमी हो सकती है। इनमें खासतौर से यातायात नियमों को तोड़ने वाले मुकदमों की ऑनलाइन निपटान की कोई व्यवस्था हो जाए तो अधिक कारगर हो सकती है। इसी तरह से चैक बाउंस होने के लाखों की संख्या में मुकदमे हैं जिन्हें एक या दो सुनवाई में ही निस्तारित किया जा सकता है। इसी तरह से मामूली कहासुनी के मुकदमे जिसमें शांति भंग के प्रकरण शामिल हैं उन्हें भी तारीख दर तारीख के स्थान पर एक ही तारीख में निपटा दिया जाए तो हल संभव है। इसी तरह से राजनीतिक प्रदर्शनों को लेकर दर्ज होने वाले

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

■ कुल लंबित सात करोड़ मुकदमों का करीब 87 फीसदी देश की निचली अदालतों में लंबित हैं

मुकदमों के निस्तारण की भी कोई कार्ययोजना बन जाए तो उचित हो। इससे कम ग्रेविटी के मुकदमों का सहज निस्तारण संभव होगा तो न्यायालयों का समय भी बचेगा।

देश में सबसे ज्यादा मुकदमे रेवेन्यू से जुड़े हुए हैं। गांवों में जमीन के बंटवारे या सीमा निर्धारण को लेकर देश की निचली अदालतों में अंबार लगा हुआ है। इस तरह के मुकदमों के निपटारे में ग्राम पंचायत की कहीं कोई भूमिका तय हो तो शायद कोई स्थाई समाधान संभव हो सकता है। पंच परमेश्वर की अवधारणा कहीं इस तरह के मुकदमों के निपटारे में अधिक सहायक हो सकती है। स्थानीय स्तर पर समझाइस से इस तरह के मुकदमों पर शीघ्र निर्णय की एक संभावना बनती है। हो यह रहा है कि रेवेन्यू के मुकदमें अपील दर अपील पीढ़ी दर पीढ़ी चलते रहते हैं और मामूली सा सीमा विवाद लंबी कानूनी प्रक्रिया में उलझ कर रह जाता है। मीडिया ट्रॉयल पर भी अंकुश की आवश्यकता है क्योंकि इससे कुछ हद तक निर्णय प्रभावित होने की संभावना बनती है।

हांलाकि इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे देश की अदालतों में ब्रिटेन आदि की अदालतों से कई गुणा अधिक मुकदमों की सुनवाई एक दिन में होती है। केन्द्रीय कानून मंत्री किरेन रिजूजू की माने तो इंग्लैण्ड में एक न्यायाधीश एक दिन में तीन से चार मामलों में निर्णय देते हैं जबकि हमारे देश में प्रत्येक न्यायाधीश औसतन प्रतिदिन 40 से 50 मामलों में सुनवाई करते हैं। यह इस ओर भी इंगित करता है कि हमारे देश में न्यायाधीशों के पास कार्यभार अधिक है। अधिक काम करने के बावजूद मुकदमों की संख्या कम होने का नाम ही नहीं लेती। पिछले कुछ समय से जिस तरह से पीएलआई को लेकर माननीय न्यायमूर्तियों द्वारा प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है और जुर्माना भी लगाया जा रहा है इसके भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगे है। इसी तरह से कोर्ट में केस दायर होने पर गवाह या याचिकाकर्ता के होस्टाइल होने को भी जिस तरह से अदालतों द्वारा गंभीरता से लिया जाने लगा है उसके भी परिणाम आने वाले समय में और ज्यादा सकारात्मक होंगे। न्यायालयों की मध्यस्थता के लिए भेजे जाने वाले मामलों में वादी-प्रतिवादी द्वारा गंभीरता नहीं दिखाने से भी हालात अधिक सुधरे नहीं है। केन्द्र सरकार अब मध्यस्थता कानून में इसी मानसून सत्र में आवश्यक संसोधित प्रावधानों के साथ पारित कराने के लिए गंभीर लगती है। देखा जाए तो अदालतों की सामान्य प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास है। चारों तरफ से निराश और हताश व्यक्ति न्याय के लिए न्याय का दरवाजा खटखटाता है। ऐसे में गैरसरकारी संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि वे लोगों में अवेयरनेस लाएं और अदालत से बाहर निपटने वाले मामलों को बाहर ही निपटा लें। इसके लिए पूर्व न्यायाधीशों, पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों, वरिष्ठ वकीलों व गैरसरकारी संगठनों या सामाजिक कार्यकर्ताओं की टीम बनाई जा सकती है जो इस तरह के मामलों को समझाइश से सुलझा सके। जिससे न्यायालयों का समय भी बचे और वादी प्रतिवादी का धन और समय बचने के साथ ही सौहार्द भी बना रह सके।

– डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

शहर से लेकर ग्रामीणांचल तक राखी की दुकानें सजी

पावटा कस्बे के बाजार में राखी खरीदती महिलाएं।

पावटा, (निसं)। रक्षाबंधन पर्व के लिए राखी की दुकानें सज गई हैं। त्योहार के लिए सजे बाजार में आई राखियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

रक्षाबंधन पर्व पर बाहर रहने वाले भाइयों को अभी से राखियां भेजना शुरू कर दिया है। राखी के पर्व के लिये कपडे, मिठाई और ड्राईफूड से लेकर गिफ्ट आइटम बेचने वालों की दुकानों पर भी

■ राखी के दामों में करीब 10 से 15 फीसदी का इजाफा

रौनक दिखाई दे रही है। उच्च वर्गीय लोगों के लिये बाजार में सोने और चांदी की सुदंर कलात्मक राखियां भी उपलब्ध हैं। पर्व को लेकर नगर से लेकर ग्रामीणांचल तक राखी की दुकानें सज गई हैं। राखी व्यवसायियों के अनुसार इस बार बाजार में चीन निर्मित लोराए, सोफिया और रिया के अलावा ओमश्री अशोक चक्र, सहेली, जलाशीष और संगम मार्का राखियों की खासी बिक्री हो रही है। दुकानों पर लोगों की भीड लगनी शुरू हो गई है। चाइनीज और मुंबई निर्मित स्टोन की राखियों का बाजार में दबदबा है।

सोनिका ने कमाल की ड्रिब्लिंग कर दागा गोल

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रमंडल खेलों में रविवार को भारतीय महिला हॉकी टीम ने बेहद रोमांचक मैच में गत चैंपियन न्यूजीलैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार इन खेलों में ब्रांज मैडल जीत लिया है। वहीं बेहद रोमांचक मैच के निर्धारित चार क्वार्टर पूर्ण होने तक दोनों टीमें एक-एक गोल की बराबरी पर थी। ऐसे में मैच का निर्णय पेनल्टी शूटआउट से होना था, जहाँ न्यूजीलैंड की टीम 1-० की बढ़त बना

■ पेनल्टी शॉट में सोनिका ने न्यूजीलैंड की गोलकीपर को छकाया

चुकी थी और भारतीय टीम अपना पहला अवसर गंवा चुकी थी। ऐसे में चूरू जिले के अंतिम छोर पर स्थित सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव गालड की बिटिया सोनिका टांडी को पेनल्टी शॉट का अवसर मिला। जिसमें सोनिका ने कमाल की ड्रिब्लिंग करते हुए विपक्षी गोलकीपर को छकाते हुई गोल दागकर धमाल कर दिया। इसके बाद भारतीय गोलकीपर सविता ने अपने

चूरू जिले के गांव गालड की हॉकी खिलाडी सोनिका टांडी तिरंगे के साथ।

साहसिक प्रयासों से विपक्षी टीम को उभरने नहीं दिया। भारत ने पेनल्टी शूटआउट में मुकाबला 2-1 से जीतते हुई राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार महिला हॉकी में ब्रॉन्ज मैडल पर कब्जा कर लिया। मैच के अंतिम पडाव में सोनिका के गोल करते ही उसके पैतृक गांव गालड व आसपास के गाँवों में खुशी की लहर दौड गई। वहीं लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। हॉकी प्रेमी वेदपाल धानोठी ने बताया कि सोनिका टांडी बेहद प्रतिभाशाली खिलाडी है, जोकि पूर्व में भारत को एशिया कप जीताकर चूरू जिले व राजस्थान प्रदेश का नाम रोशन कर चुकी हैं।

पीबीएम के इमरजेंसी में डिहाइड्रेशन का इंजेक्शन तक नहीं

बीकानेर,(कासं)। पलाना के हड़मानाराम को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद उनके परिजन पीबीएम के मेडिसिन इमरजेंसी लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने मरीज के शरीर में पानी की कमी होना बताकर पर्ची पर डेक्सट्रोज इंजेक्शन लिखा। जब मरीज का रिश्तेदार गणपतराम इंजेक्शन लेने हॉस्पिटल के दवा वितरण केंद्र (डीडीसी) पहुंचा तो फार्मासिस्ट ने पर्ची पर नॉट अवेलेबल (एनए) लिख दिया। गणपतराम उदाहरण मात्र है, जिसे इमरजेंसी इंजेक्शन के लिए दर-दर भटकना पड़ा। हॉस्पिटल में रोजाना आने वाले सैकड़ों मरीज गणपतराम की तरह आधी-अधूरी दवाइयां लेकर अपने घर या मरीज के पास पहुंच रहे हैं।

शहर की डिस्पेंसरियों के हाल इससे भी बदतर है। यहां जुकाम, दर्द निवारक, एंटीबायोटिक सरीखी जरूरी दवाइयां भी नहीं मिल रही। शुक्रवार को मुपत दवा योजना की पड़ताल की तो चौकाने वाली तस्वीर सामने आई। चिंता की बात यह है कि संभाग के सबसे बड़े पीबीएम हॉस्पिटल में एंटीबायोटिक, दर्द निवारक इंजेक्शन, टेबलेट यहां तक की ब्लड़ प्रेशर और शुगर की दवाइयां भी नहीं मिल रही हैं। जबकि डीडीसी पर दवाइयों की उपलब्धता के लिए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से दवाइयों की खरीद के हेल्थ डिपार्टमेंट कई बार आदेश जारी कर चुका है। हैरानी की बात है कि पीबीएम हॉस्पिटल प्रशासन प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की दवाइयों के स्थान

■ डिस्पेंसरियों में पर्ची पर एनए लिख रहे

पर निजी फार्मा कंपनियों की दवाइयां लेने में दिलचस्पी दिखा रहा है।

राज्य सरकार की ओर से करीब 1700 तरह की निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई जाती है। हालांकि बीकानेर में 1000 दवाइयों की जरूरत ही आमतौर पर पड़ती है। लेकिन इन दवाइयों में से मरीजों को करीब 30 फीसदी दवाइयां मिल नहीं रही। ऐसे में उन्हें बाहर से महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। पीबीएम हॉस्पिटल और शहर की डिस्पेंसरियों में एमोक्सीलिन 625 टेबलेट, सैफिक्स 200, सीपलोक्सिन 250/500,एंटीकोल्ड,मेटफोर्मिन,डिक्लोफेनाक, सीट्राजिन, एजेडआई-250, सीपीएम, पोविडोन, एंटी कोल्ड सीरप, मेरोपेनम इंजेक्शन, ऑफलोक्स आरिनडाजोल टेबलेट, लिनेजोलिड, लैबटेलोल इंजेक्शन, पोविडोन सरीखी जरूरी दवाइयां नहीं मिल रही हैं। मरीजों की यह परेशानी रात को और ज्यादा हो जाती है, जब बच्चा और जनाना हॉस्पिटल में महिलाओं को दवाइयों के लिए हॉस्पिटल परिसर से बाहर जाना पड़ता है। पीबीएम हॉस्पिटल में रोजाना करीब 5 हजार मरीजों का आना-जाना होता है। ऐसे में दवाइयां नहीं मिलने से मरीजों को होने वाली परेशानी को समझा जा सकता है। स संबंध में हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट डॉ. प्रमोद कुमार सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र को दवाइयों के लिए पहले चरण में करीब 20 लाख रुपए का ऑर्डर दिया था, लेकिन उसके जयपुर स्थित अधिकृत विक्रेता ने दवाइयों की शॉर्टेज बता दी। समय-समय पर दवाइयों की लोकल खरीद की जाती है, ताकि मरीजों को डीडीसी के अलावा कहीं भटकना नहीं पड़े। जो दवाइयां डीडीसी पर नहीं मिल रही है, उनकी लिस्ट मंगवाकर जल्द ही उनकी लोकल या सरकारी केंद्रों से खरीद कर मरीजों को राहत पहुंचाई जाएगी। सरकार 15 लाख रुपए बिना स्वीकृति दवा खरीद के लिए उपलब्ध करवाती है, जिसकी बिल करने के साथ ही दोबारा राशि मिल जाती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 8 अगस्त, 2022

सावन मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2079, ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 2:37 तक, ऐन्द्रयन योग प्रात: 6:55 तक, वणिज करण दिन 10:26 तक, चन्द्रमा आज दिन 2:37 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मेष, बुध-सिंह, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग दिन 2:37 तक है। कुमार योग दिन 2:37 से रात्रि 9:01 तक है। भद्रा दिन 10:26 से रात्रि 9:01 तक है। आज पवित्रा एकादशी, आज चतुर्थ सावन वन सोमवार व्रत वैधृति पूण्य है और कतल की रात (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:37 तक, शुभ 9:15 से 10:54 तक, चर 2:11 से 3:49 तक, लाभ-अमृत 3:49 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 7:07

मेष

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

मिथुन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मकर

आर्थिक व्यावसायिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। शुभ-मांगलिक कार्यों भाग लेने का अवसर मिलेगा।

एनएच हाईवे जाम करने जा रहे कांग्रेस नेता राजेन्द्र सांखला सहित सहित सैकड़ों कार्यकर्ता गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। अनब्रांडेड प्री पैकेज्ड और प्री लेबल आटा, दाल, दही, गुड समेत विभिन्न खाद्य उत्पादों पर जीएसटी लगाना व बढ़ती हुई महंगाई को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ हाड़ौती विकास मोर्चा ने रविवार को नेशनल हाईवे 27 पोरबंदर-सिलचर और 52 जयपुर-भोपाल को चक्का जाम करने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने बलपूर्वक सभी को रोकने का प्रयास किया।

कार्यकर्ता नहीं रुके और बेरिकेड्स को हटा आगे बढ़ गए, जिस पर पुलिस ने वाटर कैनन से पानी की बौछार करते हुए कार्यकर्ताओं का रास्ता रोक दिया और सैकड़ों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तारी भी कर लिया है। इससे पहले हाड़ौती विकास मोर्चा के संभाग अध्यक्ष राजेंद्र सांखला ने महाराणा प्रताप सर्किल कुन्हाड़ी चौराहे पर सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। जिसमें कहा था कि महंगाई को लेकर आम जनता त्रस्त है। भारतीय जनता पार्टी के शासन में जीना मुश्किल हो गया है। भाजपा नेता इन मुद्दों पर एक शब्द नहीं बोलते हैं। खाने पीने की वस्तुओं पर जीएसटी लगाने से गरीब और आम आदमी पर पड़ा है। पेट्रोल, डीजल रसोई गैस के दामों में केंद्र सरकार ने बेहताशा वृद्धि की है। गैस के दाम में तो ढाई गुना से भी ज्यादा वृद्धि कर दी गई है। जबकि पेट्रोल और डीजल के दाम 70 फीसदी बढ़ा दिए है। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए शहर भर से अलग-अलग छोटी रैलियां महाराणा प्रताप सर्किल कुन्हाड़ी पहुंची थी। इन रैलियों का नेतृत्व संभागीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अब्दुल रहीम खान, शहर अध्यक्ष शादाब खान, संभागीय अध्यक्ष ओबीसी प्रकोष्ठ महेश कश्यप, दक्षिण विधानसभा अध्यक्ष रघु शर्मा, लाड़पुरा विधानसभा अध्यक्ष प्रभात कश्यप, एससी प्रकोष्ठ के संभागीय अध्यक्ष अर्जुन झंजोट जिलाध्यक्ष सुमित गोडाला ने किया।

कोटा में हाईवे पर प्रदर्शन करने जा रहे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

इसमें शामिल कार्यकर्ता कांग्रेस के झंडे और तख्तियां हाथ में लिए यह लोग केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एक विशाल रैली के रूप में रवाना हो गए थे। जिसमें ढोल नगाड़े लेकर ये कार्यकर्ता दुपहिया और चार पहिया

■ बैरिकेडिंग हटाने पर पुलिस ने वाटर केनन से पानी फैंक रोकने का प्रयास किया

वाहनों सवार थे। गुप्तचर एजेंसियों के इनपुट को देखते हुए प्रदर्शन में भारी भीड़ की आशंका होने के चलते पुलिस पहले से ही सतर्क थी।

इन रोकने के लिए कई तरह के इंतजाम भी किए गए। दस थानों पर जाब्ता मौके पर बुलाया गया। साथ ही वहां के सीआई, पुलिस उप अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे। मोर्चा की रैली के शामिल कार्यकर्ता कुन्हाड़ी चौराहे से नाका चुंगी, नांता होते हुए बरड़ा बस्ती को क्रॉस करते हुए हाईवे की तरफ जा रहे थे, लेकिन अभेड़ा तिराहे पर भारी बैरिकेडिंग पुलिस ने पहले से ही कर दी थी। जहां पर काफी बड़ी मात्रा में जाब्ता भी तैनात किया हुआ था। कार्यकर्ताओं ने इन बेरिकेड्स को हटाकर आगे बढ़ने का प्रयास किया, कई कार्यकर्ता इन पर से कूद कर भी आगे बढ़ रहे थे, जिसके बाद पुलिस में वाटर कैनन का उपयोग करते हुए कार्यकर्ताओं पर यह चला दी। इसके बावजूद भी कार्यकर्ता नहीं माने, वह आगे नेशनल हाईवे की तरफ बढ़ गए। जहां पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार किए गए कार्यकर्ताओं को ले जाने के लिए पुलिस में पहले से ही एक दर्जन से ज्यादा बसों की व्यवस्था की हुई थी। इसके अलावा पुलिस की सैंकड़ो वैन भी मौजूद थी। इन बसों में सभी कार्यकर्ताओं को पुलिस मौका स्थल से ले गई और बड़गांव स्थित गुरुद्वारे के सामने ले जाकर छोड़ दिया। इनमें शिवा गुर्जर, धनराज गुर्जर, मक्कू कश्यप, पुरुषोत्तम कश्यप, पिंटू सोनी, तालीम बेग, शफीक खान, आशीष बड़गोदिया, हसन अली मंसूरी, अजय दर्डा, अरशद अली, इरफान घोसी, सद्दीक अंसारी, जावेद भुरू, लखन शाक्यवाल, आरिफ खान, मोइन खान, विजय मीणा, जामिन कुरैशी, छात्र नेता नदीम अहमद, अबरार खान, मनोज मीणा, राकेश नायक, मनीष सुमन, रिदम शर्मा, यश बना, कमल चर्तुवेदी, रमीज राजा, सूरज सैनी, कमल सैनी, योगेंद्र शर्मा योगी, शुभम खुराना, इरफान मंसूरी, तविश शर्मा, नौशाद अली सहित कई कार्यकर्ताओं ने पुलिस को गिरफ्तार कर लिया।

सार-समाचार

कावड़ यात्रा का आयोजन हुआ

कोटा, (निसं)। पटरी पार क्षेत्र की कावड़ यात्रा आयोजन समिति प्रचंड के संयोजक राजू पहाड़िया के संयोजन में में रंगपुर से प्रचंड बालाजी मंदिर भदाना तक 551 कावड़ियों द्वारा भव्य यात्रा निकाली गई। उक्त यात्रा का कांग्रेस नेता अमित धारीवाल, पूर्व शहर जिला अध्यक्ष गोविंद शर्मा तथा पूर्व उप महापौर राकेश सोरल के नेतृत्व में गुलाब की पंखुड़ियों से भव्य स्वागत किया गया। उक्त स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कॉग्रेस नेता हेमन्त चतुर्वेदी, पार्षद दुष्यंत सिंह, निशा गौतम, गुंजन मेघवाल, किशन मालव तथा कॉग्रेस नेता शंकर नागर, पंडित श्याम शर्मा, आशीष बड़गोतिया, महेन्द्र मीणा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा

कोटा, (निसं)। केशवपुरा सेक्टर 4 स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में श्री मनोरथ पूर्ण हनुमान मंदिर समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें कृष्ण जन्माष्टमी के त्यौहार को देखते हुए आगामी तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। मीडिया प्रभारी परमानंद महावर ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक रामेश्वर प्रसाद शर्मा ने की जिसमें आगामी जन्माष्टमी पर्व को लेकर चर्चा की गई। बैठक में जन्माष्टमी पर्व को भव्य रूप में मनाने हेतू तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होनें बताया कि कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में सुबह 8 बजे से आर्केस्ट्रा पार्टी द्वारा भजन गाए जाएंगे जो कि रात तक चलेंगे। इस दौरान पूरे मंदिर परिसर में भव्य सजावट की जाएगी एवं भव्य झांकियां सजाई जाएंगी। मध्य रात्रि 12 बजे कृष्ण जन्मोत्सव पर पूजा कर भक्तों में चरणामृत प्रसादि वितरित की जाएगी। बैठक में उपाध्यक्ष उम्मेद सिंह मोसलपुर, महामंत्री गजेंद्र सिंह चौहान, उपमहामंत्री मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष रमेश शर्मा, संगठन मंत्री चतर्भुज जांगिड़, कार्यकारिणी सदस्य बनवारी लाल नागर, बृजमोहन सेन, देवेंद्र प्रजापति, दुर्गाशंकर नागर, हेमसिंह हाड़ा, लालचंद गोचर, लक्ष्मीनारायण राठौर उपस्थित थे।

'हर घर तिरंगा' अभियान का शंखनाद

कोटा, (निसं)। देशव्यापी 'हर घर तिरंगा' अभियान से 75वें आजादी के महोत्सव की गूंज आम नागरिकों में देशभक्ति का जोश पैदा कर रही है। मोदी केयर के आत्मनिर्भर परिवार मिलन समारोह में रविवार को टीबीडीडी मनीष अचला त्रिपाठी, मनीष आशा शर्मा, संदीप वीनू मैनी, आभा जितेंद्र जैन ने सभी से आव्हान किया कि 13 से 15 अगस्त तक घर-घर तिरंगा लहरायें। इस समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से 500 से अधिक प्रतिनिधियों कोटा पहुंचे। सभी ने उत्साह से देशभक्ति गीत गाते हुये 'हर घर तिरंगा' का सामूहिक संकल्प लिया। मोदी केयर के राष्ट्रीय बिक्री प्रबंधक दुष्यंत एवं अमित कुमार ने आत्मनिर्भर परिवार के सभी सिपाहियों से अपील की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी अभियान 'हर घर तिरंगा' को सभी राज्यों में शहरों से सुदूर गांवों तक सफल बनाने के लिये जन जागरूकता पैदा करें। उन्होंने कहा कि आजादी का 75वां अमृत महोत्सव अभियान हमारे शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया

कोटा, (निसं)। देश में हर वर्ष 7 अगस्त को 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' अथवा राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस मनाया जाता है। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा कोटा देहात अध्यक्ष आशा त्रिवेदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस को मनाया गया साथ ही आमजन को इसका महत्व बताया गया। इस अवसर पर रामगंजमंडी में खादी हैंडलूम की दुकान से तिरंगे खरीदे गए। आशा त्रिवेदी ने इस दौरान कहा कि बुनकरों के सम्मान और हथकरघा उद्योग को उजागर करने के लिए हम सभी को आगे आना चाहिए। यह दिवस देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में हथकरघा के योगदान पर प्रकाश डालता है और बुनकरों की आय में वृद्धि करने को प्रोत्साहित करता है। इस अवसर पर जिला महामंत्री चंचल राठौड़, जिला मंत्री वर्षा जैन, ममता सहित अन्य कार्यकर्ता बहने मौजूद रही वहीं दीगोद मंडल खतौली मंडल जिसमें खातौली मंडल अध्यक्ष ममता, दीगोद मंडल अध्यक्ष राजनेता मेघवाल ने भी अपने मंडल में हैंडलूम दिवस मनाया और लोगों को इस दिवस की जानकारी दी।

विद्यार्थियों में ड्रेस एवं पुस्तकें वितरित की

कोटा, (निसं)। लायंस क्लब कोटा के तत्वावधान में नयापुरा स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्कूल ड्रेस, स्कूल बैग, नोटबुक एवं पेंसिल सेट का वितरण किया गया साथ स्कूल के विद्यार्थिओं के लिए आई केम्प लगाया गया जिसमें 218 स्कूल के विद्यार्थिओं की आंखे जांची गई। क्लब अध्यक्ष जुगल किशोर सोनी एवं सचिव पुरूषोत्तम पालीवाल ने बताया कि स्कूल ड्रेस का वितरण दुर्गेश शर्मा के सौजन्य से किया गया। स्कूल प्रांगण में लायंस क्लब कोटा के सदस्यों द्वारा बालिकाओं को पौधों का वितरण किया गया, प्रधानाचार्य द्वारा पौधों के उचित रखरखाव की सलाह भी बालिकाओं को दी गई एवं पेड-पौधों से भविष्य में होने वाले लाभ का भी उल्लेख प्रधानाचार्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर लॉयन जुगल किशोर सोनी, पुरुषोत्तम पालीवाल, पवन पारेता, दुर्गेश शर्मा, सोनल शर्मा, शिव नारायण बाहेती, सतीश पंजवानी, सुनील आनंद एवं प्रमोद विजय उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब कोटा नार्थ का शपथ ग्रहण समारोह हर्षोउल्लास के साथ पुरूषार्थ में आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण अधिकारी पीडीजी राजेश अग्रवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष विनोद ममगाई एवं सचिव मनीष बंसल सहित सम्पूर्ण कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण करवाई।

इस अवसर पर उप प्रांतपल अमित सिंघल ने 13 नए सदस्यों को सेवा एवं निष्ठा की शपथ दिलवाई। निवर्तमान अध्यक्ष ने वर्तमान अध्यक्ष विनोद ममगई को अपनी कॉलर पहनाई इसी तरह पूर्व सचिव ने निर्वाचित सचिव को अपनी कॉलर विधिवत पहनायी। क्लब ने इस अवसर पर नर्मला महिला बाल प्रशिक्षण संस्थान को 2 सिलाई मशीन भेंट की। क्लब में विभिन्न सेवा कार्यो में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 13 सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन यज्ञदत्त हाड़ा ने किया। इस अवसर पर मौजूद मुख्य अतिथि आईपीएस कवेंद्र सिंह सागर, पुलिस अधीक्षक, कोटा ग्रामीण ने महिला सशक्तिकरण एवं छात्र-छात्राओं को ध्यान रखते हुए अपन प्रोजेक्ट बनाने की सलाह दी। पुलिस अधिक्षक ने कहा कि कोटा शिक्षा नगरी है लाखों बच्चें यहां अध्ययन करने आते है ऐसे में उनकी सहूलियत के लिए क्लब को कार्य करने चाहिए। उन्होने कहा कि रेलवे व बस स्टेण्ड पर सूचना पट्ट व सार्वजनिक स्थलों पर पानी व बैठने जैसी व्यवस्था क्लब कर सकते है। पीडीजी राजेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में रोटरी के होने वाले फायदों को सदस्यों को गिनवाया।

'सीए स्टूडेंट्स के लिए पढ़ाई के साथ ऑफिस एवं सोशल लाइफ बहुत आवश्यक'

कोटा सीए ब्रांच की सिकासा कमेटी की ओर से सीए स्टूडेंट्स के लिए पूल पार्टी के साथ सेमिनार आयोजित किया गया।

कोटा, (निसं)। कोटा सीए ब्रांच की सिकासा कमेटी की ओर से रविवार को झालावाड़ रोड़ स्थित एक निजी होटल में सीए स्टूडेंट्स के लिए पूल पार्टी विद सेमिनार का आयोजन किया गया।

कोटा सीए ब्रांच के चेयरमैन सीए शशांक गर्ग एवं सिकासा कमेटी के चेयरमैन सीए प्रकाश चौधरी ने बताया कि इस आयोजन में सीए स्टूडेंट्स ने पूल में रस्साकसी, वॉलीबॉल एवं स्विमिंग रेस जैसे खेलो का आनंद लिया। इसके बाद सीए स्टूडेंट्स के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें सीए ख्याति भंडारी ने सीए स्टूडेंट्स को बताया कि परीक्षा के परिणाम को किस नजरिए से देखना चाहिए। सीए स्टूडेंट्स के लिए पढ़ाई के साथ ऑफिस एवं सोशल लाइफ कितना आवश्यक है जैसे विषय पर मार्गदर्शन किया। सीए स्टूडेंट्स को बताया कि केवल पढाई करने से ही एक अच्छा और परिपूर्ण सीए नहीं बना जा सकता है। एक स्टूडेंट को अपने ऑफिस को भी उतना ही महत्व देना चाहिए, जितना वो अपनी पढ़ाई को देता है।

सेमिनार के पश्चात स्टूडेंट्स को आउटडोर गेम्स खिलाए गए, जिसमें रूमाल झपट्टा और कैरी द बाल विद पाइप जैसे खेल शामिल थे। इस पूरे आयोजन में सीए राहुल जैन, सीए वैभव जैन, सीए सौरभ अग्रवाल, सीए नुपुर मेहता और सीए प्रिया हरिरमानी ने प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर की भूमिका निभाई, जबकि सीए रोहित पाटोदी कार्यक्रम के प्रोजेक्ट हेड रहे। इस पूरे कार्यक्रम में 50 से ज्यादा सीए स्टूडेंट्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन सिकासा कमेटी के चेयरमैन सीए प्रकाश चौधरी द्वारा किया गया।

भारतीयता के मूल्यों से व्यस्तता की परत उतारने की जरूरत है : गुंजन गुप्ता

कोटा, (निसं)। अंग्रेजी बोलने में बुराई नहीं है, अंग्रेजी सोचने में बुराई है। यह बात दिल्ली से आई भारतीय रेलवे की उप मुख्य परिचालन प्रबंधक गुंजन गुप्ता भारद्वाज ने रविवार को कही। उल्लेखनीय है कि गुंजन कोटा की निवासी हैं और यहीं पढ़कर यूपीएससी में चयनित होकर आईएएस बनी हैं।

गुंजन ने बताया कि हिंदी माध्यम से पढ़कर भी छात्र छात्रा बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। वे हिंदी माध्यम से पढ़कर ही यूपीएससी में पहली बार मे चयनित हुई। बिना सांस्कृतिक मूल्यों के विद्या अधूरी है। आज हमारे भारतीयता के मूल्यों पर हमने व्यस्तता की परत चढ़ा दी है। इस परत को उतारने की जरूरत है। विद्या भारती से मिले भारतीय मूल्यों का महत्व तब देखने को मिला। जब जापान में हाई स्पीड ट्रेन की ट्रेनिंग चल रही थी। वहां सारे प्रोजेक्ट अंग्रेजी में नहीं बल्कि जापानी में तैयार किए गए थे और हमारे लिए अनुवादक लगाए थे।

वहां का सारा साहित्य जापानी में है। इस पर हर जापानी नागरिक को गर्व महसूस होता है। देश का भाव वे एक पल भी मिटने नहीं देते हैं। गुंजन ने कहा कि कोटा आकर अपने शॉपिंग सेंटर स्थित विद्यालय में जाऊंगी और वहां आधुनिक पुस्तकालय बनाना चाहती हूँ। मैं अपने परिवार में 10वीं सदस्य हूँ, जो विद्या भारती के विद्यालय में पढ़कर सफल हुई हूं।

कोटा में गुंजन गुप्ता ने अपने अनुभव साझा किए।

भाई बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन मनाया

कोटा, (निसं)। भाई बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन के पवित्र अवसर पर आर्य समाज कोटा द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आर्य उप प्रतिनिधि सभा कोटा संभाग के प्रधान अर्जुन देव चड्डा की अगुवाई में आर्य समाज तलवण्डी की प्रधाना सुमन बाला सक्सैना, मंत्री सुमन कान्ता सोनी, आर्य समाज खेड़ा रसूलपुर के प्रधान रामनारायण कुशवाह, रामपुरा के एडवोकेट चन्द्र मोहन कुशवाह, अंजली बिहार के संरक्षक राजेन्द्र मुनि आर्य, महावीर नगर के किशन आर्य हरियाणा, संभागीय मंत्री लाल चन्द आर्य, महावीर नगर के मंत्री राधावल्लभ राठौर, तलवण्डी के महेन्द्र सिंह कुशवाह, लीला सोनी रविवार को लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला के कोटा केम्प कार्यालय पहुंचे। केम्प कार्यालय पर ओम बिरला का आर्यजनों ने मंत्रोचार करते हुए केसरिया साफा, गायत्री मंत्र से सुसज्जित केसरिया पटका व माला पहनाकर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर आर्य समाज परिवारों की बालिकाओं व महिलाओं, अक्षिता आर्या, अवध्या आर्या, आराध्या सोनी, भूमिका आर्या, अर्चना कुशवाह, तथा सुमन बाला सक्सेना, सुमन कान्ता सोनी एवं लीला सोनी आदि ने लोकसभा अध्यक्ष को रोली तिलक लगाकर व नारियल भेंट कर राखियां बांधी।

पूर्व छात्र सामर्थ्य के साथ संपूर्ण समाज को शिक्षित करने का दायित्व संभालें : डॉ. कृष्णगोपाल

कोटा, (निसं)। विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत की पूर्व छात्र परिषद की ओर से धरोहर 2022 कार्यक्रम रविवार को श्री रामशांताय सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल मुख्य वक्ता थे। वहीं भारतीय रेलवे की उप मुख्य परिचालन प्रबंधक गुंजन गुप्ता भारद्वाज मुख्य अतिथि थी।

अध्यक्षता शिव एडिबल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौरभ साबू ने की। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष तथा विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत के अध्यक्ष भरतराम कुम्हार, जिलाध्यक्ष महावीर गौतम भी मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में चित्तौड़ प्रांत के आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, आईआरएस, आईएफएस, अभियंता, उद्यमी समेत विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे पूर्व छात्र उपस्थित रहे। राशि गौतम ने "भारत हमारी माँ है, माता का रूप प्यारा..., करना इसी के सेवा, कर्तव्य है हमारा..." की प्रस्तुति दी। शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। वहीं समापन राष्ट्र गान के साथ किया गया। इस दौरान डॉ. कृष्णगोपाल ने कहा कि अंग्रेजों ने भारत की शिक्षा व्यवस्था को नष्ट करने का काम किया है।

भारत में 18वीं सदी में 73 प्रतिशत साक्षरता थी, जबकि 1901 में यह 5 प्रतिशत रह गई। इसीलिए स्वातंत्र्य का संघर्ष करते हुए भी हमारे लोगों ने शिक्षा प्रतिष्ठान खड़े किए। मदन मोहन मालवीय ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, स्वामी श्रद्धानंद ने गुरुकुल कांगड़ी, टैगोर ने विश्व भारती जैसे शिक्षा देने वाले मंदिर बनाए। कृष्णगोपाल ने पूर्व छात्रों से समाज, पिता, प्रकृति, देव, आचार्य, ऋषि का ऋण चुकाने का आव्हान किया। उन्होंने सामाजिक जीवन में शुचिता और पारिवारिक जीवन में मधुरता लाने के टिप्स भी दिए। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र समूह बनाकर सामर्थ्य के साथ संपूर्ण समाज को शिक्षित करने का दायित्व संभालें। इस समय भौतिकवाद की सुनामी चल रही है।

इस सुनामी से संयम से ही जीता जा सकता है। गुंजन गुप्ता ने कहा कि बिना संस्कृति और मूल्यों के विद्या का कोई औचित्य नहीं है।

कार्यक्रम में जिला सचिव सतीश गौतम, प्राचार्य महेश शर्मा, विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिवप्रसाद, सह संगठन मंत्री गोविंद कुमार, प्रांत प्रचारक विजयानंद, विभाग प्रचारक धर्मराज, सह मंत्री प्रेमसिंह शेखावत, पूर्व छात्र परिषद के संयोजक डॉ विक्रम मेनारिया, सह संयोजक डॉ विनय ग्वालानी, आशीष जाजू, क्षेत्रीय संयोजक शरद जोशी दीपक सुमन, अभिषेक जॉली, विनोद, ललितेश उपस्थित थे।

कोटा में विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत की पूर्व छात्र परिषद का धरोहर 2022 कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सेवानिवृत्त अधिकारियों के अनुभव समाज के काम आए : ओम बिरला

कोटा, (निसं)। राजस्थान लेखा सेवा से सेवानिवृत्त राजस्थान एकाउन्टेट्स एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेश जैन का रविवार को छप्पन भोग परिसर में राजस्थान लेखासेवा, अधिनस्थ लेखासेवा के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिक अभिनन्दन आयोजन समिति द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि माननीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेश जैन का साफा पहना कर, शॉल भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारियों के अनुभव समाज के काम आए एवं उसका लाभ समाज के अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद जैन अधिक ऊर्जा, आत्मविश्वास के साथ समाज सेवा का अपना संकल्प पूरा कर पायेंगे। राजकीय सेवा में नियमों एवं प्रक्रियाओं की पालना करते हुए अपने प्रोफेशन के अनुसार विभाग की समस्या एवं कठिनाइयों के लिए राज्य एवं जिला स्तर के हर मंच पर श्री जैन ने हक की लड़ाई लड़ी। एकांउट सर्विस के अंदर वे हमेशा सक्रिय रहे, राज्य सरकार से चाहे किसी भी दल की सरकार रही हो उन्होंने अपने विभाग एवं अपने साथी कर्मचारियों की समस्याएं निर्भीकता से रखी।

दिनेश जैन ने सदैव कर्मचारियों के हित की लड़ाई लड़ी है। राजस्थान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष पंकज मेहता ने जैन को जुझारू कर्मचारी नेता बताया तथा जैन द्वारा कर्मचारी हितों के लिए किए गए संघर्ष आन्दोलनों को याद किया। विशिष्ट अतिथि कोटा दक्षिण विधायक सन्दीप शर्मा ने जैन से सेवानिवृत्ति बाद भी सामाजिक रूप से सक्रिय बने रहने के लिए कहा एवं उनका अनुभव व कार्यकुशलता समाज के काम आएगी।

आयोजन समिति के देवेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान के कई कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों सहित शहर के गणमान्य नागरिक, लेखासेवा, अधिनस्थ लेखा सेवा के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। जिनमें राजस्थान एकाउन्टेट्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष श्रीलाल भाटी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष केवलचन्द गहलोत, कर्मचारी नेता रामकिशोर अग्रवाल, जिलाध्यक्ष दीपक बाथरा, जिला मन्त्री मनोज जैन चतर, कोषाधिकारी डॉ. लोकेन्द्र सिंह, मेडिकल कॉलेज के वित्तीय सलाहकार डॉ. जय कौशिक, कर्मचारी नेता विद्याशंकर शर्मा, पेंशन समाज के अध्यक्ष रमेश गुप्ता, देवेन्द्र सिंह चौहान, पूर्व जिला अध्यक्ष अजीत सक्सेना, टिकमचन्द जैन, डॉ. विजय जैन, आरके जैन, धीरज जैन, निमित्त जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक पूर्व जिला अध्यक्ष अजय सोरल द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

कोटा में राजस्थान एकाउन्टेटस एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेश जैन का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

लम्पी बीमारी से 500 से अधिक गायें मरी, 20 सदस्यों की टीम गुजरात से पथमेड़ा पहुंची

पिछले चार दिनों से पथमेड़ा में रोजाना 25 से 30 गायों की मौत हो रही है

सांचौर, (निसं)। सांचौर क्षेत्र में स्थित गौधाम पथमेडा जहां पर लंपी बीमारी की वजह से गौवंश खतरे में है। क्षेत्र में स्थाई इलाज के अभाव में पांच सौ से अधिक गोवंश की मौत हो गई है एवं गौशालाओं के समक्ष गायों को इस महामारी से बचाने की चुनौती पैदा हो गई है। पालडी स्थित गौशाला में सबसे अधिक इस महामारी से गोवंश शिकार हुआ है जिसमें करीब 350 के करीब गाय इस महामारी की चपेट में आ चुकी है। चिकित्सा विभाग की टीम लगातार प्रयास करके स्वस्थ गोवंश का टीकाकरण कर रही हैं।

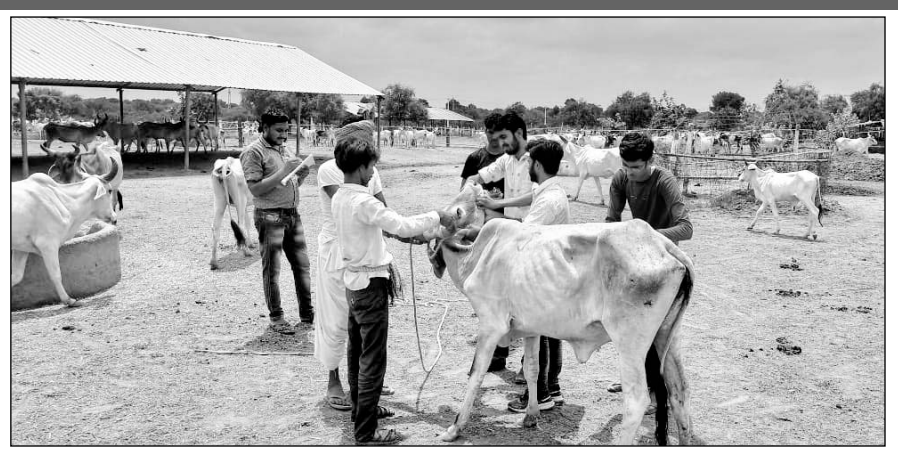

सांचौर के निकट गोधाम पथमेड़ा में गुजरात से आई चिकित्सा टीम ने गायों का टीकाकरण किया।

- पथमेडा की गौशालाओं में करीब दो हजार से अधिक गायों में संक्रमण फैला हुआ है

गोधाम पथमेडा में इस महामारी से गोवंश को बचाने के लिए गुजरात के धानेरा, थराद से पशु चिकित्सकों की 20 सदस्यों की टीम पहुंची व 2 दिन में करीब 3000 गोवंश का टीकाकरण किया है।

गोधाम पथमेडा की विभिन्न गौशाला में करीब, 2 हजार से अधिक गायों में संक्रमण फैला हुआ है। इन गोशालाओं में पहला केस 18 जुलाई को सामने आया था। इसके बाद से लगातार गायों में संक्रमण फैलता गया और गायों की मौत होना शुरू हो गई। गौवंश की मौत होने के बाद प्रशासन गौशाला प्रशासन एवं ग्रामीणों के सहयोग से गौशाला में टीम द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है जिससे इस महामारी को लेकर अब स्थिति काफी नियंत्रण में होने का दावा किया जा रहा है।

पथमेडा गोशाला के विट्ठल कृष्ण महाराज ने बताया कि 18 जुलाई को पहला केस सामने आने के बाद शुरू में तो प्रतिदिन चार से पांच गायों की मौत हो रही थी, लेकिन पिछले चार दिनों से रोजाना 25 से 30 गायों की मौत हो रही है। उन्होंने राज्य सरकार से इस बीमारी में गोवंश के लिए सहायता राशि के साथ दवाई देने की मांग की है। पशु पालन विभाग के नोडल अधिकारी डॉक्टर रामा भाई पटेल ने बताया कि क्षेत्र में लंपी स्किन बीमारी से करीब 1500 से ज्यादा गोवंश चपेट में है। इसको लेकर पशु पालन विभाग के डॉक्टरों की टीम लगाकर इलाज कर रही है।

उन्होंने बताया कि इसका अभी कोई टीका नहीं है। इससे बचाव ही उपचार है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि जो भी पशु इस बीमारी का शिकार हुआ है उसे स्वस्थ पशु से दूर रखें। लंपी स्किन बीमारी अभी केवल गायों में ही फैल रही है।

गोधाम पथमेडा के संस्था प्रधान व संरक्षक स्वामी दत्त शरणानंद महाराज अहमदाबाद में चल रहे चातुर्मास को छोड़कर गौशालाओं का जायजा लेने के लिए सांचौर पहुंचे और उन्होंने विभिन्न गौशालाओं का दौरा करके गोवंश की हो रही मौत के मामले को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने प्रशासन एवं गौ भक्तों से इस पुनीत कार्य में गंभीरता से कार्य करने एवं गोवंश को बचाने का आव्हान किया। जिस पर प्रशासन अलर्ट होने के साथ-साथ गुजरात में अन्य जगहों से भी चिकित्सा का टीमों ने दौरा कर गोवंश के टीकाकरण का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया।

भीषण सड़क हादसे में 4 की मौत, एक महिला पीबीएम अस्पताल में भर्ती

टक्कर में दोनों कारों के ड्राइवरों ने दम तोड़ा

बीकानेर, (कासं)। श्रीडूंगरगढ़ में कार और बोलेरो गाड़ी में जबर्दस्त टक्कर में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक महिला गंभीर हालत में पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में है। हादसा श्रीडूंगरगढ़ में पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर करीब 4 बजे हुआ। हादसे के दौरान बोलेरो में सवार ड्राइवर व महिला दोनों की मौत हो गई। जबकि दूसरी कार में सवार पति की मौत हो गई जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल है। एक मृतक की पहचान नहीं हो पाई।

- हादसा श्रीडूंगरगढ़ में पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर करीब चार बजे हुआ

इनोवा कार के ड्राइवर विनोद पुत्र जीवाराम व सुलोचना पत्नी महिपाल सिंह की भी मौत हो गई है। सुलोचना ने पीबीएम अस्पताल पहुंचते ही दम तोड़ दिया।

दूसरी कार में सवार संजय पुत्र ओमप्रकाश शर्मा की बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस कार के ड्राइवर की मौत मौके पर ही हो गई। जिसके शव को श्रीडूंगरगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। इस मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। कार सवार शालिनी पत्नी संजय शर्मा पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में मौत से जंग लड़ रही है। मृतकों में एक कार के चालक की पहचान विनोद के रूप में हुई है। जो झुंझुनूं निवासी है। जबकि एक अन्य मृतक संजय जयपुर का रहने वाला है। दूसरी कार में सवार सुलोचना भी जयपुर की रहने वाली थी। मृतकों में संजय शर्मा बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष हैं। हादसे की जानकारी मिलने के साथ ही बीकानेर के कई वरिष्ठ वकील भी पीबीएम अस्पताल पहुंच गए।

बघेरे ने गाय का शिकार किया

निवाई, (निसं)। उपखंड के गांव बस्सी में शनिवार की रात को पहाडी पर स्थित बालाजी मंदिर के समीप बघेरे ने एक आवारा गाय का शिकार कर लिया। गाय का शिकार करने से ग्रामीणों में भय व्याप्त हो गया है। ग्रामीण खुशीराम पोसवाल गणेश पोसवाल व ईश्वर कसाना ने बताया कि शनिवार की रात को बघेरे पहाडी पर बनी हुई गुफा में एक आवारा गाय का शिकार कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई।

विद्यालय में भरा पानी

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत रजवास के राजकीय प्राथमिक विद्यालय बैरवा बस्ती में बरसात होने पर विद्यालय परिसर सहित कमरों में पानी भर जाता है। जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को कई परेशानियां होती हैं।

प्रधानाध्यापिका ममता शर्मा ने बताया कि जब भी बरसात होती है तो विद्यालय के कमरों सहित सारे परिसर में पानी भर जाता है और विद्यालय एक तलाई के रूप में दिखाई देने लगता है। पानी भरने से बच्चों को शिक्षण कराना असंभव हो जाता है। विद्यालय के अध्यापक हनुमान गुर्जर ने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए कई बार सरपंच, शिक्षा विभाग, उपखण्ड अधिकारी और तहसील कार्यालय में स्थित बाढ नियंत्रण कक्ष के माध्यम से भी अधिकारियों को अवगत करवा चुके हैं लेकिन अभी तक भी बच्चों की समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि कई बच्चे इस परेशानी के चलते नियमित स्कूल आने से भी किनारा करने लगे हैं।

बॉर्डर और छावनी एरिया के पास नहीं उड़ सकेंगे ड्रोन

बीकानेर, (कासं)। सेना ने कहा है कि छावनी एरिया और बॉर्डर पर ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगाई जानी चाहिए। ड्रोन

- सैन्य संपर्क सम्मेलन में सेना और प्रशासन के बीच कई मुद्दों पर चर्चा

एक्टिविटी से सुरक्षा में बाधा उत्पन्न होती है साथ ही गोपनीयता भी भंग होती है। बॉर्डर पार से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने की दिशा में ठोस कदम उठाने पर भी चर्चा हुई।

सेना की रणबांकुरा डिवीजन में नागरिक सैन्य संपर्क सम्मेलन के दौरान सेना, बीएसएफ, एयर फोर्स और आईबी के अधिकारियों ने प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों के साथ आंतरिक सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा के साथ ही साइबर क्राइम की बढ़ती वारदतों पर चिंता जाहिर की। इसके साथ ही सेना में अगले महीने होने वाली अग्निवीरों की भर्ती को लेकर विचार विमर्श किया। भर्ती में हजारों की संख्या में युवक भाग लेंगे। उनके आवागमन के साधनों और सुरक्षा संबंधी उपायों पर बातचीत की गई। इसके अलावा पूर्व सैनिकों के कल्याण के मुद्दे भी उठे। सम्मेलन का उद्देश्य कार्यात्मक और योजना दोनों स्तरों पर अधिक समन्वय और तालमेल हासिल करना था। संभागीय आयुक्त नीरज के पवन, आईजी ओम प्रकाश, बीएसएफ डीआईजी पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़, एसपी योगेश यादव, एएसपी अमित कुमार सहित आईबी, सेना और एयर फोर्स के प्रतिनिधि बैठक में शामिल हुए। सैन्य प्रवक्ता के अनुसार यह बैठक राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास की दिशा में काम करने के लिए सेना और प्रशासन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों में एक मील का पत्थर है।

केसरिया शाही ध्वज चढ़ने के साथ डिग्गी लक्खी मेले का समापन

डिग्गी मेले के समापन अवसर पर पदयात्रा का शाही ध्वज मंदिर शिखर पर चढ़ाया गया।

मालपुरा/डिग्गी, (निसं)। जयपुर ताड़केश्वर मंदिर से तीन अगस्त को शुरू हुई 57वीं लक्खी पदयात्रा के केसरिया शाही ध्वज के डिग्गी पहुंचने पर डिग्गी कल्याण मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष व उपखण्ड मजिस्ट्रेट रामकुमार वर्मा सहित एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान, एडीएम प्रभातीलाल जाट, रामदास ट्रस्ट अध्यक्ष ठाकुर रामप्रताप सिंह व मंदिर ट्रस्टियों ने लक्खी पदयात्रा के शाही निशान का भव्य स्वागत किया।

- मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष ने की केसरिया ध्वज की अगवानी
- गाजे-बाजे से निकला जूलूस, पांच दिन में छह लाख से अधिक कल्याण भक्तों ने दर्शन किये

गंगोत्री से लाये पवित्र जल से कल्याणधणी की प्रतिमा का अभिषेक व केसरिया ध्वज मंदिर शिखर पर चढ़ने के साथ 57वें लक्खी मेले का समापन हुआ। पदयात्रा संयोजक श्रीराम लौहे वाले व राष्ट्रीय कथावचक वैभव श्रीजी, भारत तिब्बत संवादमंच के भारती वैष्णव व संदीप कुमार की अगुवाही में डिग्गी पहुंचे केसरिया ध्वज के साथ डिग्गी कस्बे में भव्य शोभायात्रा निकाली गई जहां कल्याण भक्तों पर पुष्प वर्षा की गई। नाचते-गाते पदयात्रियों व कल्याण भक्तों ने मंदिर पहुंच दरबार में ढोक लगा मनोतियां मांगी। पदयात्रा संयोजक सहित ट्रस्ट अध्यक्ष ने गंगोत्री के पवित्र जल से वैदिक मंत्रों के साथ डिग्गी कल्याणजी महाराज की प्रतिमा का जलाभिषेक कर मंदिर के शिखर पर केसरिया ध्वज चढ़ाया।

डिग्गी कस्बा कल्याणजी के प्रिय व पवित्र वस्त्र केसरिया के रंग में रंग गया। पांच दिन में मेले में देश व प्रदेश से पहुंचे 6 लाख से अधिक कल्याण भक्तों ने कतारबद्ध श्रीजी के दर्शन किये। स्थानीय पुलिस व प्रशासन द्वारा मेले के दौरान पदयात्रियों की सुरक्षा के लिए किये गये चाक-चौबंद बंदोबस्त किए थे।

विजय सागर तालाब पर कड़े सुरक्षा पहरे में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। तो 2 लाख से अधिक भक्तों ने डिग्गी नुक्कड चौराहे से मंदिर तक 3 किमी. तक आस्था की कनक दण्डवत की। रविवार को अवकाश के चलते डिग्गी में मेला पूर्ण परवान पर रहा। डिग्गी की ओर आने वाले सभी रास्तो पर कल्याण भक्त हाथो मे केसरिया ध्वज लिये कल्याण महाराज के जयकारे लगाते धर्मनगरी डिग्गी पहुंचे।

नाबालिग से दुष्कर्म का मामला दर्ज

उनियारा/चौरू, (निसं)। उनियारा उपखंड अलीगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीड़ित नाबालिक पुत्री के पिता

- पड़ोस में रहने वाला युवक घर पर आ गया एवं बालिका के साथ दुष्कर्म किया

ने अलीगढ़ पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है कि मेरी नाबालिग पुत्री शनिवार शाम को घर पर अकेली थी उसे देखकर शाबाश उर्फ फोदू पुत्र सलीम मोहम्मद ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। अलीगढ़ थाना प्रभारी नाहर सिंह मीणा ने बताया कि पीड़ित बालिका के पिता ने बताया कि मैं और मेरी पत्नी खेत पर काम करने गए हुए थे इस दौरान घर पर मेरी पुत्री को अकेला देखकर पड़ोस में रहने वाला युवक घर पर आ गया एवं बालिका के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित बालिका ने शाम को अपनी मां से अपने साथ हुई घटना की आपबीती बताई। इस पर पीड़ित बालिका के पिता ने अलीगढ़ थाने पर पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

खाटूश्यामजी जा रही बस पलटी, 17 जने घायल

घायलों का रींगस सीएचसी में उपचार किया गया।

रींगस, (निसं)। खाटू श्यामजी के दर्शनों के लिए नोएडा से आ रही एक बस राजमार्ग पर दूसरे वाहन के साइड दबाने से बचने के प्रयास में पलट गई।

दुर्घटना में 17 लोग घायल हो गये। घायलों में से एक को जयपुर रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार नोएडा से एक बस में श्याम श्रद्धालु सवार होकर खाटू श्यामजी आ रहे थे। सुबह सात बजे यहां पर राजमार्ग पर रीको मोड पर बस से आगे चल रहे एक अन्य साधन ने साइड दबा दी। दुर्घटना से बचने के प्रयास में वाहन चालक ने बस को घुमाया तो पलटी खा गई। बस के पलटने से 17 श्रद्धालु घायल हो गये इन्हें रींगस सीएचसी में भर्ती करवाया गया जहां से एक को जयपुर रैफर कर दिया गया। घायलों में ओमप्रकाश चौहान, कौशल चौहान, सुभी चौहान, सुहानी चौहान, सुमन चौहान, पीहू चौहान, मानसी चौहान, चमन सिंह, विमला, राखी, ज्योति, काजल, कशिश, रेणु चौधरी, सतीश चौधरीद्ध सुमन चौहान शामिल है। पुलिस ने वाहन को सड़क से हटा कर मार्ग खुलवाया।

घग्घर नदी के पानी से सिंचाई कर रहे किसान

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के अंदर से गुजरने वाली अंतर्राष्ट्रीय बरसाती नदी में एक दशक बाद इस बार लगातार 16 दिनों से पानी प्रवाहित हो रहा है। इससे हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर जिले के लगभग 1 लाख हेक्टेयर में खड़ी धान और नरमा की फसलों को लाभ हुआ है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2019 में लगातार 9 दिन पानी चला था। इस बार 22 जुलाई को घग्घर में पानी की आवक शुरू हुई और लगातार लगभग 2 हजार से 5 हजार क्यूसेक नाली बैड में चलाया जा रहा है। सबसे ज्यादा लाभ धान उत्पादक किसानों को हुआ है।

किसान धान के खेतों में घग्घर के पानी से सिंचाई कर रहे हैं। घग्घर के पानी से सिंचाई करने से धान की पैदावार 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। सेम नाला में भी घग्घर का पानी छोड़ने से नरमा की फसलों में भी किसानों ने सिंचाई की है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार भूमिगत जल स्तर में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। प्रत्येक वर्ष 10 से 15 दिन पानी चलता है, लेकिन पानी की निरंतरता नहीं रहने के कारण अंतिम छोर पर नहीं पहुंच पाता। इस बार पानी पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है।

हिमालय का पानी घग्घर के माध्यम से हनुमानगढ़ आता है। गुलाचिका से शुरू हुआ पानी हरियाणा होते हुए राजस्थान में प्रवेश करता है। शनिवार को गुल्लाचिका से 6950 क्यूसेक पानी की आवक बढ़ गई। इसी तरह घग्घर नदी में भी 650 क्यूसेक पानी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जानकारी के अनुसार गुल्लाचिका से 4620 क्यूसेक पानी प्रवाहित हो रहा था जो शनिवार को बढ़ कर 11 हजार 550 क्यूसेक हो गया। जयनारायण बेनीवाल, पूर्व उपनिदेशक कृषि (विस्तर), हनुमानगढ़ का कहना है कि 'घग्घर नदी में आने वाला पानी धान की फसल के लिए लाभदायक होता है। घग्घर के पानी से सिंचाई करने से खाद की भी जरूरत नहीं रहती।

धौलपुर में हुई भारी बारिश, सड़कें बनी दरिया

बारिश के बाद दर्जनों दुकानों और शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया।

धौलपुर (निस)। धौलपुर शहर सहित जिलेभर में रविवार को सुबह से दोपहर तक भारी बारिश हुई। जिससे सड़कें दरिया बन गई और लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बरसात से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

सिंचाई विभाग धौलपुर के पपेन्द्र मीणा ने बताया कि रविवार को धौलपुर शहर में 67 , बाड़ी में 17, बसेड़ी में 12, सैंपऊ 96, राजाखेड़ा में 15,

- सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर दोपहर तक चलता रहा

तालाबशाही में 17, उर्मिला सागर में 9 एवं आंगई में 6 एमएम बारिश दर्ज की गई है। रविवार को सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए हुए थे और दिन में भी रात जैसा अंधेरा हो रहा था।

सुबह करीब 10 बजे से तेज बारिश का दौर शुरू हुआ, जो दोपहर तक चला। इस दौरान भारी बरसात हुई। जिससे धौलपुर शहर की सड़कें दरिया बन गई। जिसकी वजह से लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दर्जनों दुकानों और धौलपुर शहर के निचले इलाकों में भारी पानी भर गया। जिससे लोगों को भारी परेशानी हुई।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत और राज्य मंत्री चौधरी ने लंपी स्कीन डिजीज का फीडबैक लिया

एक-एक वॉट्सऐप ग्रुप पांचों जिलों में बनाया जाए, जिस पर ग्रामवासी सीधा सूचित करें

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने राजस्थान में गोवंश में फैले खतरनाक संक्रामक रोग लंपी वायरस संक्रमण के संदर्भ में आज स्थानीय डीआरडीए हॉल में जोधपुर, पाली, जालौर, जैसलमेर बाड़मेर के विविध जिलों के सक्षम अधिकारियों से विस्तार से चर्चा कर जानकारी ली। लंपी स्कीन डिजीज बीमारी की रोकथाम हेतु गए उपायों के बारे में फीडबैक लिया। समाधान करने के लिए राजस्थान सरकार से भी आग्रह किया ताकि पशु पालकों को राहत दी जा सके।

इस दौरान राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत मौजूद रहे। शेखावत ने मुख्यमंत्री से लंपी वायरस के कारण अपना पशुधन गंवाने वाले पशुपालकों और किसानों को मुआवजा देने का आग्रह किया।

रविवार को बैठक के बाद मीडिया के साथ अनौपचारिक बातचीत में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि गुजरात के रास्ते से आकर पिछले दो महीने में पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में लंपी वायरस कहर बरपा है। हजारों गायों की मौत हो चुकी है। यदि पश्चिमी राजस्थान का आंकड़ा उठाकर देखें तो लगभग एक लाख से ज्यादा पशुधन इससे संक्रमित हुआ है। यह आंकड़ा निरंतर बढ़ता जा रहा है।

जोधपुर के डीआरडीए हॉल में मंत्रियों ने लंपी स्कीन बीमारी को लेकर जानकारी ली।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसे सारे मृतक पशुओं का मुआवजा राजस्थान सरकार को गरीब लोगों, पशुपालकों और किसानों को देना चाहिए। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा। उन्हें पत्र लिखकर हम सभी लोग आग्रह करेंगे कि तुरंत इस पर निर्णय लेकर प्रभावित पशुपालकों को मुआवजा देना चाहिए।

शेखावत ने कहा कि हम लगातार जिला प्रशासन और राज्य सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं इस बीमारी की किस तरह से रोकथाम की जा सके। वर्तमान स्थिति और हालात पर एक बार पूरे विस्तार से चर्चा कर अधिकारियों को निर्देश दिये हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि हमको टेक्नोलॉजी का सहारा लेना होगा। एक-एक वॉट्सऐप ग्रुप पांचों जिलों में बनाया जाए, जिस पर ग्रामवासी सीधा सूचित कर सकें। वीडियो कॉल के माध्यम से गांव के जनप्रतिनिधि संक्रमित पशु का एक बार डॉक्टर से निरीक्षण कराएं और तुरंत उपचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि दवाइयों की खरीद के लिए सरकार ने पैसा दिया है, उसका भी समुचित उपयोग हो।

मीडिया और सरकारी आंकड़ों में फर्क होने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से फर्क है। सरकारी आंकड़ों की समीक्षा में यह विषय संज्ञान में आया है। अब तक केवल 20 प्रतिशत पशुधन का ही सर्वे हो पाया है। जोधपुर, बाड़मेर और जैसलमेर में ही लगभग 25-30 लाख के बीच गायों की जनसंख्या है, लेकिन अब तक चार लाख के आस-पास का सर्वे हुआ है। सरकार का आंकड़ा चार लाख के अनुपात में है, बाकी आंकड़ा 6-7 गुना अधिक तक हो सकता है, जो मीडिया ने अपने स्तर से इकट्ठा किया है।

- 'हालात जितना सरकार ले रही है, उससे कहीं ज्यादा गंभीर और चिंताजनक'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हालात जितना सरकार ले रही है, उससे कहीं ज्यादा गंभीर और चिंताजनक हैं। जिला कलेक्टर अपने-अपने जिले में अधिकारियों को लगाकर हरेक गांव में कितना पशु संक्रमित हुआ है, कितनी गाय मरी हैं, उसका आंकड़ा और सूचना एकत्रित करें।

सरपंचों का महापड़ाव स्थगित, लेकिन आंदोलन जारी, एक गुट बैठा धरने पर

सरकार ने कुछ मांगों पर सहमति दी, कुछ पर होगा विचार

जयपुर, (का.प्र.)। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा के मनरेगा कार्यों में अनियमितता के आरोपों से नाराज सरपंचों का महापड़ाव रविवार को स्थगित हो गया, हालांकि आंदोलन अभी जारी रहेगा। दरअसल सरपंचों के एक गुट ने महापड़ाव स्थगित करने का ऐलान कर दिया है, लेकिन इसी में शामिल कुछ सरपंच इस फैसले से नाराज हैं और वे सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। दूसरी ओर सरकार से वार्ता के बाद कई मांगें मान ली गई हैं और जो अधूरी हैं उसे पूरी करने की मांग को लेकर संघ से जुड़े पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और कार्यसमिति के सदस्य आंदोलन जारी रखेंगे।

पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा को पद से हटाने सहित सरपंच संघ की 35 सूत्री मांग को लेकर राजधानी में महापड़ाव डाला था इनमें से कुछ मांगें मानने के बाद, जो मांग केंद्र सरकार से जुड़ी थीं, उसके लिए राज्य सरकार प्रक्रिया अपनाएगी। सरपंच की ओर से एनजीओ की ओर से जांच करवाने की खिलाफत को लेकर सरकार ने आश्वासन दिया कि अब एनजीओ के बजाय पुराने तरीके से ही जांच कराई जाएगी। हालांकि बीएसआर रेट पर पूर्व की तरह होने वाले टेंडर की प्रक्रिया वर्तमान में भी यथावत जारी रखने की मांग पर निर्णय नहीं हुआ है।

अब तक जो मांगे मानी गई हैं, उनके आदेश लिखित में सरपंच संघ मांग रहा है। रविवार को सरपंच संघ से जुड़े पदाधिकारियों ने आपस में बैठक कर यह तय किया कि महापड़ाव स्थगित कर दिया जाए और 24 अगस्त को वापस जयपुर में एक बड़ा महापड़ाव डाला जाए लेकिन कुछ पदाधिकारी इस फैसले से नाराज होकर कुछ सरपंच बैठक स्थल कर बाहर ही सड़क पर धरने पर बैठ गए।

सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल ने बताया कि आगामी 17 अगस्त को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रखी जाएगी, जिसमें आगामी आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं 24 अगस्त को वापस जयपुर में फिर महापड़ाव होगा। 24 अगस्त को होने वाले महापड़ाव में सरपंचों के साथ ही मनरेगा के कर्मचारी और मेट तक शामिल होंगे। इस दौरान सरपंच पूर्व की तरह अपना कार्य बहिष्कार जारी रखेंगे। हालांकि वर्तमान में मौजूदा प्रदेश पदाधिकारी और कार्यसमिति सदस्य कहां धरना देंगे अभी यह तय नहीं किया गया है क्योंकि प्रशासन की ओर से उसकी स्वीकृति नहीं मिली है। दूसरी ओर नागौर से जुड़े सरपंच चाहते थे कि उनके क्षेत्र में एक बीडीओ को हटा दिया गया था, उसे बहाल किया जाए लेकिन यह मामला कोर्ट में चल रहा है। सरपंच संघ पदाधिकारियों का कहना है कि सभी सरपंच अपनी मांग पत्र को लेकर एकजुट हैं।

उल्लेखनीय है कि पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा ने 7 जिलों में हुए मनरेगा कार्यों की जांच के लिए कमेटी गठित की थी। इसकी रिपोर्ट आने के बाद मंत्री ने इन 7 जिलों में अनियमितता का आरोप लगाया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि बाड़मेर, नागौर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बीकानेर, झालावाड़ और उदयपुर में 150 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए तक की राशि का काम दिखाया गया जबकि उतना काम धरातल पर हुआ ही नहीं है। मीणा ने यह भी कहा कि मनरेगा में जिस काम का श्रमिकों को पैसा दिया गया वह काम धरातल पर नहीं है सर्वाधिक अनियमितता नागौर और बाड़मेर में हुई। मंत्री के बयान के विरोध में सरपंचों ने जयपुर में महापड़ाव डाला था जो सरकार से वार्ता के बाद अब स्थगित कर दिया गया है।

पूनिया ने किया महारुद्राभिषेक

जयपुर में रॉयल हवेली, स्टेच्यू सर्किल पर श्री शिव महापुराण कथा समिति की ओर से महारुद्राभिषेक कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने महारुद्राभिषेक किया। साथ ही 251 जोड़ों ने भी सामूहिक महारुद्राभिषेक किया। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम में मौजूद सभी शिव भक्तों ने हाथों में तिरंगा लेकर हर घर तिरंगा अभियान को बड़े स्तर पर करने का संकल्प लिया।

जयपुर में मंत्री मुरारीलाल मीणा की बेटी की कार पानी में डूबी

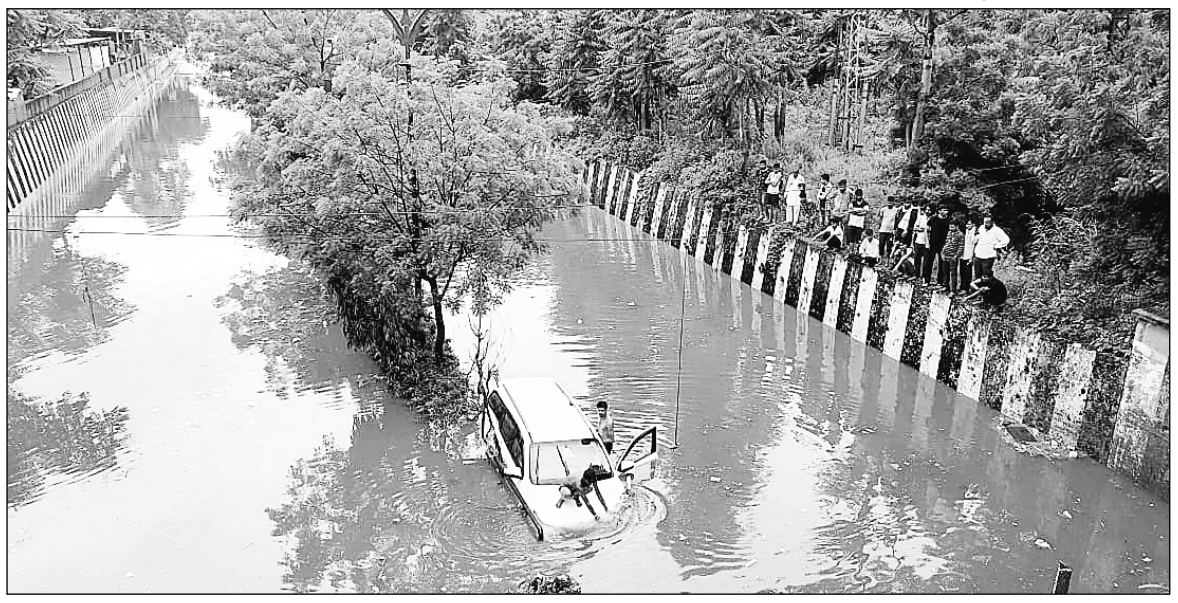

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के कई हिस्सों में रविवार को हल्की से तेज बारिश हुई। इस कारण मालवीय नगर में नंदपुरी अंडरपास में बारिश से पानी भर गया। जहां से गुजर रही मंत्री मुरारी लाल मीणा की बेटी की कार अंडरपास में भरे पानी में डूब गई। बता दें, यह कार मंत्री मुरारीलाल मीणा की बेटी निहारिका जोरवाल चला रही थी। निहारिका जोरवाल राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष पद की उम्मीदवार है। मौके पर लोगों ने कार को डूबते देखा तो उन्होंने निहारिका को कार से बाहर निकाल लिया। जिसकी वजह से निहारिका की जान बच गई।

कावड़ यात्रा जैसे प्रतिबंध मोहर्रम पर लगाएं राज्य सरकार : लाहोटी

- **सांगानेर विधायक ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखा**
- **'कानून सबके लिए एक समान, मोहर्रम पर डीजे-ढोल व नगाड़ों तथा हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगे'**

जयपुर (कासं)। सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर कहा है कि राज्य सरकार ने जैसे सावन के पवित्र माह में कावड़ यात्रा पर प्रतिबंध लगाए, वैसे ही प्रतिबंध अब मोहर्रम पर भी लगाए। लाहोटी ने कहा कि कावड़ यात्रियों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया। डीजे-ढोल व नगाडों पर प्रतिबंध लगाकर पारंपरिक निकलने वाली कावड़ यात्रा व हिन्दू सनातन धर्म के साथ कुठाराघात किया है। 9 जुलाई को मोहर्रम ताजियों के साथ विशेष समुदाय के द्वारा डीजे, सैकड़ों ढोल-नगाडों (जिसकी ध्वनी डीजे से भी कई गुना ज्यादा है) के साथ हजारों की तादात में एक साथ सड़कों पर जुलुस निकाले जाएंगे, इनमें हथियारों का प्रदर्शन व टयूबलाईटें फोड़ने का प्रदर्शन किया जाता है। अब राज्य सरकार इन पर भी रोक लगाए।

विधायक अशोक लाहोटी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र में आगे लिखा कि जैसे कावड़ ले जाने वाले श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कराया, उसी प्रकार मोहर्रम-ताजियों के साथ जुलुस में निकलने वाले लोगो का भी रजिस्ट्रेशन कराये। ढोल-नगाड़ों की संख्या 4/6 की जाए और हथियारों के प्रदर्शन व टयूबलाईटें फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। लाहोटी ने पत्र में आगे लिखा कि सांगानेर में 2 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ की यात्रा निकलने वाली थी, जो कि सैकड़ों वर्षों से निकलती आ रही है, उसकी अनुमति भी जारी हो गई थी। इसके बाद पुलिस प्रशासन के द्वारा पुजारी के परिवार पर दबाव बनाकर निकलने वाली यात्रा को जबरन रूकवाया था। कल हुई सीएलजी की मीटिंग में सांगानेर व्यापार महासंघ समेत कई समाज समुदायों के प्रतिनिधियों ने राखी के त्यौहार के मध्य नजर सैकड़ों ढोल नगाड़ों के साथ ताजिया जुलुस मैन बाजार से निकलने पर कड़ा ऐतराज किया है। कानून सबके लिए एक समान हैं, इस पर विचार कर बहुसंख्यक हिन्दू समाज के साथ न्यासंगत निर्णय करे।

'ई.आर.सी.पी. को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाए'

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की सातवीं बैठक में केन्द्र सरकार से पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने सहित विभिन्न केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में केन्द्र की आर्थिक सहायता बढ़ाने की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान से जुड़े मुद्दों पर मजबूती से राज्य का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी 37,000 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिससे पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में लगभग 2 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिल सकेगी।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को नव निर्वाचित उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से व्यक्तिगत मुलाकात कर बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि उप राष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का कार्यकाल संवैधानिक परंपरा और मूल्यों को और दृढ़ता प्रदान करेगा।

कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने की जगह जस्टिफिकेशन ढूंढ रहे हैं : डॉ. पूनिया

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बयान देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री राजस्थान में महिला अपराधों पर रोक लगाने एवं न्याय दिलाने में लगातार असफल रहे हैं। कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने की जगह वह बढ़ते अपराधों का जस्टिफिकेशन ढूंढ रहे हैं।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि फांसी की सजा के प्रावधान से रेप के बाद हत्या की घटनाओं के बढ़ने को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिया गया बयान दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। मुख्यमंत्री, जो गृह विभाग के मुखिया भी हैं वह बेतुके बयानों से राज्य में बढ़ते रेप के मामलों में अपनी सरकार की नाकामी से बच नहीं सकते हैं। राठौड़ ने कहा कि एनसीआरबी और पुलिस प्रतिवेदन के आंकड़े चीख-चीख कर कह रहे हैं कि राजस्थान दुष्कर्म के मामलों में देश में पहले पायदान पर है। राजस्थान में हर साल 2000 के करीब बच्चियों से रेप के मामले सामने आते हैं। जनवरी 2020 से जनवरी 2022 तक 4091 केस पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज हुए हैं। राठौड़ ने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में नाबालिग से रेप के आरोपियों को फांसी की सजा के प्रावधान का कानून बना था। दुर्भाग्य है कि मासूम बच्चियों से रेप की घटनाओं पर अंकुश लगाने में विफल मुखिया जी अब फांसी की सजा के प्रावधान की ही खिलाफत कर रहे हैं। अगर हिम्मत है तो इस कानून के विरोध में विधानसभा में प्रस्ताव लेकर आएं तब हम उन्हें माकूल जवाब देंगे। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में प्रतिदिन दुष्कर्म की 16 घटनाएं हो रही हैं और मुख्यमंत्री दुष्कर्म के 48 प्रतिशत मामलों को झूठा बता चुके हैं। मुखिया जी इस प्रकार की बयानबाजी करके बार-बार दुर्दांत बलात्कारियों के मनोबल को तोड़ने की बजाय बढ़ाने का कुकृत्य कर रहे हैं। यक्ष प्रश्न यह है कि जब गृहमंत्री ही रेप के मामलों को झूठा बताकर अपराधियों के लिए रेड कार्पेट बिछाएंगे तो फिर पुलिस की जांच का रूप क्या होगा?

प्रो. छीपा अध्यक्ष बने

जयपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के चुनाव समिति के कार्यालय मधुकर भवन, न्यू कॉलोनी में संपन्न हुए। प्रोफेसर मोहनलाल छीपा को समिति का अध्यक्ष और प्रतापभानु सिंह शेखावत को महासचिव चुना गया है। निर्वाचन अधिकारी ओंकार सिंह लखावत ने बताया कि राजेंद्र सिंह शेखावत और श्याम सुंदर अग्रवाल उपाध्यक्ष, गजेंद्र सिंह ज्ञानपुरिया कोषाध्यक्ष, नीरज कुमावत सह सचिव निर्वाचित हुए हैं।

स्वामी विवेकानंद के चरित्र को जीवन में उतारें : मुक्तानंद अग्रवाल

जयपुर, (का.सं.)। रजिस्ट्रार, सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने हमेशा सर्वधर्म समभाव की बात की। उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस भारत के इतिहास के अनोखे व्यक्ति थे। भारत एक आध्यात्मिक देश है। यहां अध्यात्म की कई विचारधाराएं प्रवाहित हुई है।

अग्रवाल रविवार को यहां रामकृष्ण मिशन परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव और स्वामी विवेकानंद तथा रामकृष्ण मिशन की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित यूथ कन्वेंशन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के कारण रामकृष्ण परमहंस के बारे में विश्व ने जाना। विवेकानंद ने युवावस्था तक बहुत अध्ययन किया चाहे शास्त्र हो, चाहे दर्शन, अध्यात्म हो। उनमें प्रश्न पूछने की उत्कंठा थी वे एक जिज्ञासु और तार्किक थे, वे सत्य को जानने के लिए तह तक गए।

अग्रवाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन शक्ति ही जीवन पर आधारित था। उन्होंने भय और निर्बलता का त्याग किया। उन्होंने निर्भयता से जीवन जिया। इसी निर्भयता से पूरे देश का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जैसे साहस व शक्ति की आज देश को जरूरत है।

उन्होंने कहा कि विवेकानंद का देश के प्रति समर्पण हम सभी के लिए सीखने के योग्य है। स्वामी विवेकानंद संन्यासी होते हुए संन्यास परंपरा से हट कर अपनी ऊर्जा को देश के लिए लगाया है। उन्होंने कहा कि धर्म दया है, पवित्रता है, साहस है इसके माध्यम से समाज एवं देश का उत्थान किया।

रजिस्ट्रार, सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने रविवार को रामकृष्ण मिशन परिसर में स्वामी विवेकानंद तथा रामकृष्ण मिशन की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार बांटे।

उन्होंने आव्हान किया कि स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित को अपने जीवन में उतारे।

वर्षा चारण ने कहा कि हमें हमारी सांस्कृतिक गौरव पर गर्व है। जब ब्रिटिश काल में भारत हीनता के दौर में था, तक विवेकानंद ने समाज में उत्थान व देश में जागरण का बीड़ा उठाया। वे पहले भारतीय थे, जिन्होंने विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। उन्होंने भारत भ्रमण एवं विदेशी प्रवास के बाद राष्ट्रवाद की ज्वाला जलाई। स्वामी विवेकानंद के विचारों से स्वराज की नींव पड़ी और हजारों स्वतंत्रता सेनानीयों ने देश को आजाद करने में भूमिका निभाई।

प्रारंभ में रामकृष्ण मिशन के कार्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन एवं वेद पाठ से की गई। अतिथियों ने 21 एवं 24 जुलाई की हुई ड्रॉइंग और निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले 30 छात्र - छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए। रामकृष्ण मिशन, जयपुर के सचिव स्वामी देवप्रबानंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्यार में फंसाकर महिला से दुष्कर्म

जयपुर। भट्टाबस्ती इलाके में शादी का झांसा देकर एक महिला से रेप का मामला सामने आया है। पिछले चार सालों तक आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। प्रेग्नेंट होने पर उसका ऑबोशन भी करवाया। शादी का दबाव बनाने पर दूसरी महिला से शादी कर ली। भट्टाबस्ती थाने में पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि भट्टाबस्ती निवासी 36 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। करीब 4 साल पहले उसकी मुलाकात सलीम अहमद से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी ने उसे शादी के लिए ऑफर किया। आरोपी सलीम अहमद ने खुद की पत्नी की मौत होना बताया।

'भारतीय संस्कृति आधारित तंत्र की स्थापना अर्थात स्वतंत्रता'

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख स्वांत रंजन ने कहा कि भारत की जो पहचान है, संपूर्ण विश्व में उसको बढ़ाने के लिए स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर जाना होगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र स्थापित करना होगा जो हमारी सभ्यता और संस्कृति अनुकूल हो। स्वांत रंजन रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विद्याधर भाग की ओर से स्वराज-75 स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर विषय पर आयोजित प्रबुद्धजन संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अपने देश में फ्रेंच, डच, पुर्तगाली और अंग्रेज आए। इन्होंने अपनी ताकत के आधार पर भारत का आर्थिक शोषण किया। केवल आर्थिक शोषण ही नहीं, जो ईसाई देश थे, वहां की इसाई मिशनरियों ने इन ताकतों का सहयोग लेकर बड़े पैमाने पर हिन्दू समाज का मतांतरण किया। उन्होंने कहा कि तुर्क, पठान व मुगलों ने भी भारत को लूटने के लिए अनेक आक्रमण किए और तलवार के जोर पर धार्मिक स्थानों को लूटा, महिलाओं का शीलभंग किया और बड़े पैमाने पर मतांतरण किया। उन्होंने कहा कि मैकाले शिक्षा नीति के माध्यम से ऐसे लोगों को तैयार करना चाहते थे जो रक्त मांस से भारतीय हो लेकिन विचार व्यवहार से पश्चिमी हो। अंग्रेजों के आगमन से पूर्व भारतीय समाज शत प्रतिशत शिक्षित था। भारत में 5 लाख स्वायत्त विद्यालय थे, जिनमें बिना जातिभेद व लिंगभेद के अध्ययन, अध्यापन का कार्य होता था। लेकिन अंग्रेजों ने भारतीय शिक्षा तंत्र को नष्ट कर अपनी शिक्षा पद्धति हम पर थोपी। स्वाधीनता के बाद वामपंथियों व कम्युनिस्टों ने उस शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर बनाए रखा।

सबसे बड़े भूमि दानवीर हैं भगवान परशुराम : तिवाड़ी

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने भगवान परशुराम को दुनिया का सबसे बड़ा भूमि दानवीर बताते हुए कहा कि कश्मीर हो चाहे केरल और गोवा जैसा सुंदर समुद्र तट उन्हीं की देन है। तिवाड़ी ने अरुणाचल प्रदेश में विकसित हो रहे देश के पांचवे तीर्थस्थल परशुराम कुण्ड में विप्र फाउंडेशन के योगदान एवं भूमिका की भी सराहना की तथा कहा कि परशुराम कुण्ड क्षेत्र पूरे देश को एक सूत्र में जोड़ने का बड़ा प्रकल्प सिद्ध होगा। इस तीर्थाटन के विकसित होने से पड़ोसी देश चीन भी घबराया हुआ है।

तिवाड़ी आज विप्र फाउंडेशन जोन 1 की प्रदेश कार्यकारिणी के शपथग्रहण समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन की ओर से राज्यसभा सांसद चुने जाने पर तिवाड़ी, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज और परशुराम कुण्ड स्थल पर स्थापित होने वाली 51 फिट की भगवान परशुराम की प्रतिमा के लिए सर्वसमाज से योगदान लेने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले परमेश्वर शर्मा को सम्मानित किया गया। भाजपा से राज्यसभा सांसद तिवाड़ी ने विप्रों की अहम भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे धार्मिक स्थल जागृत होंगे तो देश में भी जागृति और ऊर्जा का नया संचार होगा। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज ने संपूर्ण विप्र समाज को एक सूत्र में पिरोये जाने के लिए डाटा बैंक स्थापना की घोषणा करते हुए कहा कि यह नेककाज भी विप्र फाउंडेशन के बैनर तले होगा।

प्रदेश में लगातार दूसरे दिन रविवार को भी छह सौ नए संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में लगातार दूसरे दिन रविवार को भी 600 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें जयपुर और अलवर में सौ से अधिक मामले पाए गए हैं। वहीं इस बीच झालावाड़ में करोना से एक मरीज की मौत भी हो गई है।

प्रदेश में रविवार को 24 जिलों में 600 नए संक्रमित सामने आए हैं। इससे पहले शनिवार को भी इतनी ही संख्या में रोगी मिले थे। राज्य में आज 16 हजार 323 जांचे की गई। इनमें जयपुर में 2393 जांचे हुई। इधर राज्य में सबसे ज्यादा 176 जयपुर और 109 नए संक्रमित अलवर जिले में मिले हैं। इसके अलावा उदयपुर व नागौर में 38-38, जोधपुर में 37, चित्तौड़गढ़ में 34, अजमेर में 31, भरतपुर व दौसा में 25-25, धौलपुर में 16, कोटा में 13, डूंगरपुर में 11, भीलवाड़ा में 10, जैसलमेर व सिरोही में 7-7, झालावाड़ में 5, सीकर व बीकानेर में 4-4, बारां में 3, बूंदी व जालौर में 2-2 तथा बांसवाड़ा, बाड़मेर और हनुमानगढ़ में एक-एक नया संक्रमित मिला है।

'तिरंगा लहराएंगे, पर्यावरण का संरक्षण करेंगे'

बूंदी (निसं)। बूंदी के नागरिकों के लिए रविवार की सुबह बेहद विशेष रही। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में लोगों ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए हर घर तिरंगा लहराने और पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लिया। साथ ही बूंदी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सामूहिकता से कार्य करने की भी पहल की। मां भारती के जयकारों से गूंज रहे उत्सव मैरिज गार्डन में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सामाजिक कार्यकर्ताओं को राष्ट्र ध्वज तिरंगा भेंट कर "हर घर तिरंगा" अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इन 75 वर्षों में देश ने प्रगति के कई सौपान तय किए, लेकिन अब भी एक बड़ी यात्रा बाकी है।

आज जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तो पूरे देश को उन शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेनी होगी जिन्होंने देश की आजादी के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। युवा उम्र में जब अनेक आशाएं और अभिलाषाएं होती हैं तब उनके मन में अंग्रेजो से मुकाबला कर देश को को आजाद कराने का जज्बा था। हम जितना उनके बारे में जानते हैं, हमारे मन में उनके प्रति श्रद्धा उतनी ही बढ़ती है। आज इस अमृत काल में सामाजिक कार्यकर्ताओं के मन में भी देश को देने की भावना होनी चाहिए। उनमें वंचित-अभावग्रस्त वर्ग के लोगों के जीवन को बदलने की ललक होनी चाहिए। हम खुशकिस्मत हैं जो आजाद भारत में पैदा हुए। इससे समाज में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। गरीब व्यक्ति के जीवन में प्रकाश लाने का दायित्व बढ़ जाता है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

तिरंगा पहुंचाकर बनाएं अपनत्व का रिश्ता:- लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हर घर-हर भवन पर तिरंगा लहराए। सामाजिक कार्यकर्ता यह राष्ट्रीय ध्वज हर व्यक्ति तक पहुंचाएं और उसे ससम्मान लहराने के लिए प्रेरित करें। यह तिरंगा हमें नई ऊर्जा प्रदान करता है। तिरंगे से प्रेरित होकर हम जिस घर तक पहुंचे वहां अपनत्व का रिश्ता बनाएं। उसके सुख-दुख में साझीदार बनें

लक्ष्य बनाकर करना होगा काम:- बिरला ने सामाजिक कार्यकर्ताओं से कहा कि यह देश के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने का समय है। हमें स्वयं तय करना होगा कि देश और समाज को हम क्या दे सकते हैं। हम अपने आसपास के स्कूल बेहतर बना सकते हैं, हम खेल मैदानों की दशा सुधार सकते हैं। हम अपने आसपास स्वच्छता अभियान चला सकते हैं। ऐसे अनेक काम हैं तो हम हाथ में लेकर सामूहिकता से काम करेंगे तो देश में बड़ा बदलाव आएगा।

■ लोकसभा अध्यक्ष बिरला के नेतृत्व में बूंदी के नागरिकों ने संकल्प लिया

घर-घर जाकर लोगों को अभियान से जोड़ें:- बूंदी विधायक अशोक डोगरा ने संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा 130 करोड भारतीयों के गौरव प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान किसी दल विशेष का अभियान नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान हम सभी एक सूत्र में बंधकर इस अभियान को सफल बनाने का प्रयास करें। विधायक ने सामाजिक कार्यकर्ताओं व युवाओं से शहर में प्रत्येक परिवार तक तिरंगा पहुंचाने और प्रभात फेरी के माध्यम से अभियान की जानकारी देने का आव्हान किया। कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष छीतर लाल राणा ने भी संबोधित किया।

'ब्राह्मण समाज आने वाली पीढ़ी को अच्छे संस्कार देकर देश व समाज को आगे बढ़ायें'

गुर्जर गौड ब्रह्मण समाज द्वारा सावन महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

झालावाड (निसं)। गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित पवित्र अमृत सावन माह के पावन अवसर पर रविवार को ब्रहम घाट स्थित समाज के भगवान मदनमोहन जी के मन्दिर परिसर में सावन महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ नगर अध्यक्ष राजेन्द्र जोशी महिला अध्यक्ष मंजू शर्मा ने महर्षि गौतम के चित्र पर पुष्पहार चढाकर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर महिलाओ की और से नृत्य की प्रस्तुती की गई एंव मंच पर लहरिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें समाज की महिलाओ ने बढ चढ कर भाग लिया वही सावन क्वीन प्रतियोंगिता का आयोजन किया गया जिसमे महिलाओ ने सजधज कर विशेष श्रृंगार किया गया निर्णायक मण्डल के ज्योति जोशी कुसुम शर्मा द्वारा सावन क्वीन प्रतियोगिता में तरूणा तिवारी को चुना गया जिनको समाज के अध्यक्ष राजेन्द्र जोशी और मंजू शर्मा ने सावन क्वीन का ताज पहनाया गया।

वही लहरिया प्रतियोगिता में कमलेश गौतम को प्रथम द्वितीय स्थान में नेहा शर्मा ,प्रज्ञा व्यास और उमा शर्मा को दिया गया। उस अवसर पर महिला मण्डल की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन भी किया गया संरक्षक हेमबाला शर्मा मंजू शर्मा अध्यक्ष महासचिव कुसुम शर्मा सांस्कृतिक सचिव तरूणा तिवारी कमलेश गौतम दीपिका शर्मा उपाध्यक्ष लता तिवारी रजनीबाला व्यास ने शपथ ली।

इस अवसर पर महिला मण्डल की अध्यक्ष मंजू शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते कहा कि हमारा समाज शिक्षित है हम समाज में एकता के साथ हमारें आने वाली पीढी को अच्छे संस्कार देकर समाज को आगे बढाते हुए देश को आगे बढाकर देंश का गौरव बढाने मे योगदान दे। इस अवसर पर समाज के संरक्षक ललित शर्मा महामंत्री प्रेम तिवारी, विश्वास जोशी, कोषाध्यक्ष बिरधीचन्द शर्मा, भण्डार प्रभारी बालगोविन्द शर्मा, वैभव जोशी, दीपक गौतम, महिला मण्डल की अध्यक्ष मंजू शर्मा, दुर्गेश नन्दनी, लता तिवारी, पिंकी जोशी, मनीषा जोशी ,रजनी बाला व्यास ने झूला झूले व भजन किर्तन किया सावन महोत्सव मनाया। कार्यक्रम का संचालन कुसुम शर्मा ने किया।

राखी, नारियल एवं मिठाई के दाम बढ़े

छबड़ा (निसं)। करीब दो साल के कोरोना काल के बाद इस बार रक्षाबंधन पर अपने भाईयों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाने को लेकर उत्साहित बहनों के उत्साह को त्योहार पर काम आने वाली सबसे जरूरी चीजों के बड़े हुए दाम परेशान कर रहे हैं। रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आने के साथी ही बाजार में राखियों की दुकानें तो सज गई है। लेकिन उनमें मिलने वाली राखियों के दाम इस बार बीस से पच्चीस प्रतिशत तक बढ गए है। वहीं नारियल और मिठाई के दाम भी तेजी से बढ रहे है। हालत यह है की सामान्य दिनो में 12 से 15 रुपए में मिलने वाला नारियल बीस रुपए तक पहुंच गया है, जबकि रक्षाबंधन पर्व के दिन इसकी 25 से 30 रुपए तक पहुंचने की संभावना है। त्योहारी सीजन में मावे के दामों में बढ़ोतरी का असर मिठाई पर पड़ा है।

हत्या के आरोप में आजीवन कारावास

झालावाड़ (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस प्रकरण झालावाड घनश्याम शर्मा ने शनिवार देर शाम सुनाये गए निणर्य में ग्राम फदानिया तहसील खानपुर निवासी शोभाराम बद्रीलाल जाति मीणा की हत्या के आरोप में द्वारकालाल पुत्र रंगलाल जाति मीणा निवासी फदानिया को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास तथा दस हजार रूपया अथर्दण्ड से दण्डित किया। अदम अदायगी अथर्दण्ड अभियुक्त को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगताने की सजा सुनाई। साथ ही आर्म्सएक्ट की धारा 4/25 के अपराध के लिये दो वर्ष के कारावास तथा पांच हजार रुपये अथर्दण्ड व अदम अदायगी अथर्दण्ड 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगताने तथा सभी सजा साथ-साथ चलने का आदेश दिया।

विशिष्ट लोक अभियोजन मोहम्मद तनवीर आलम ने बताया कि 13 अप्रेल 2019 को ग्राम फदानिया के माल में घनश्याम मीणा पुत्र परमानन्द के खेत में मृतक शोभाराम की लाश खुन में लथपथ पडी हुई मिली थी जिसके सर सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर धारदार हथियार के चोट के निशान थे। मृतक के पुत्र जितेन्द्र उर्फमुकेश ने मौके पर पुलिस को लिखित रिपोर्टदी कि कल दिनांक 12 अप्रेल 2019 कि मैं, मेरी मम्मी मोरबाई व मेर पत्नी गैंहू निकालने के लिये खेत पर गए हुए थे , घर पर मेरे पिताजी व बहन इन्द्राबाई थी। इन्द्राबाई ने बताया कि रात को दस बजे करीब गांव के रघूवीर पुत्र धन्नालाल व द्वारकीलाल मेरे पिता जी बुला कर ले गए थे। गेहूं व सरसौ की फसल बेची थी उसकी रकम भी उन्ही के पास थी।

द्वारका व रघूवीर ने ही मेरे पिता जी हत्या की है। इस रिपोर्टपर पुलिस थाना खानपुर ने हत्या का मुकदमा दर्जकर अनुसंधान किया। प्रकरण परिस्थितिजन्य साक्ष्य का था। इस घटना का कोई चश्मदीद साक्षी नहीं था। पुलिस ने अनुसंधान में रघूवीर का हत्या करने में लिप्त नही होना मानते हुए द्वारकालाल व अन्य व्यक्ति राजू उर्फराजेन्द्र पुत्र नैनालाल जाति मीणा निवासी फदानिया के विरूद्ध आरोपपत्र न्यायिक मजिस्ट्रेट खानपुर के न्यायलाय में पेश किया जो सेशन न्यायालय झालावाड में कमिट हुआ। बाद में न्यायालय विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस प्रकरण झालावाड में स्थानान्तरित हुआ जहॉ अभियोजन पक्ष की ओर से 20 गवाह पेश कर 41 दस्तावेजात पेश करवाये।

पुलिस ने अनुसंधान मे मुलजिमान की निशानदेही से खुन लगी गडासी बरामद की थी। एफएसएल रिपोर्टमें मृतक के कपडो व मुलजिमान से बारामद गण्डासी पर मानव रक्त पाया गया था। पोस्टमार्टम सुबह 11 बजे हुए था जिसमें हत्या 12 घण्टे के भीतर होना बताया गया था। अन्तिम बार मृतक शोभाराम मुलजिम द्वारका के साथ जीवित देखा गया था , इसके बाद सुबह 7-8 बाजे उसकी लाश खेत पर मिली थी। इस आधार पर न्यायायल ने अभियुक्त द्वारकालाल को दोषी माना किन्तु परिस्थिति जन्यसाक्ष्य पर आधारित कैस होने से राजू उर्फराजेन्द्र के विरूद्ध कडी से कडी जोडने वाली , पयार्प्त साक्ष्य नही होने मानते हुए बरी कर दिया।

एनएसयूआई ने चुनावी बिगुल बजाया

झालवाड़ (निसं)। एनएसयूआई ने जिला कांग्रेस कार्यालय में मीटिंग का अयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि प्रभारी दुष्यंत शर्मा रहे और अध्यक्षता समाज कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष मीनाक्षी चंद्रावत खानपुर विधानसभा प्रत्याशी सुरेश गुर्जर ने की प्रभारी दुष्यंत शर्मा ने बताया कि चुनाव की घोषणामुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने की उसके लिए युवा शक्ति की ओर से उनका आभार व्यक्त करते हैं और एनएसयूआई का सीधा मुकाबला यहां की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया और सांसद दुष्यंत सिंह से है और हमारी एनएसयूआई झालावाड़ कांग्रेस के नेतृत्व मैं इस बार जिले के सभी कॉलेज जीतने के लिए तैयार है हमारी छात्र शक्ति हर कॉलेज में तैयारियां कर रहे हैं और हम पूरी ताकत से चुनाव लडेंगे और कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा की पूरी झालावाड़ की कांग्रेस एनएसयूआई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है मिनाक्षी चन्द्रावत ने कहा की एनएसयूआई के साथियों के साथ पूरी ताकत से छात्र संघ चुनाव के लिए तैयार है सुरेश गुर्जर ने कहा की पिछले कई सालों से में कॉलेज चुनाव करवाता आ रहा हूं। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष वसीम अकरम ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हमें एकजुट होकर पूरी ताकत से के चुनाव के अंदर जाना है हर गांव गांव हर मोहल्ले तक हमें छात्र-छात्राओं को एनएसयूआई से जोडना है।

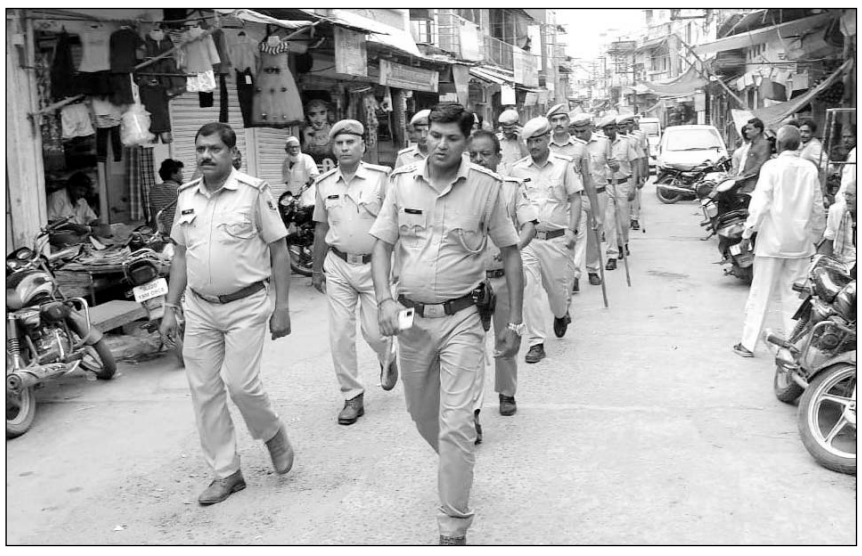

आगामी त्योहारों को मद्देनजर रखते हुए पुलिस प्रशासन ने शांति व्यवस्था कायम रखने के उद्देश्य से सीआई के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला। सीआई राजेश मीणा ने बताया कि उनके नेतृत्व में कावड़ यात्रा, मुहर्रम, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस आदि पर कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए धरनावदा चौराहा, आजाद सर्किल, अलीगंज बाजार, मैन चौराहा, मलंगशाह बाबा की दरगाह के रास्ते होते हुए नागेश्वर पहाड़ी तक फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस जवान मौजूद रहे।

रक्तदान कर बालिका का जीवन बचाया

बूंदी (निसं)। मानव सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष राजेश खोईवाल ने बताया कि बूंदी के बच्चा वार्ड में भर्ती खून की कमी से गंभीर बीमार गरीब 12 वर्षीय बीमार बालिका को 1 यूनिट ए पॉजिटिव रक्त की सख्त जरूरत थी। बूंदी ब्लड बैंक में ए पॉजिटिव रक्त समाप्त होने की वजह से रक्त की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। बालिका की माँ ने मानव सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष राजेश खोईवाल के फोन कर मदद करने को कहा इस पर खोईवाल द्वारा रघुवर हॉस्पिटल के एम डी डॉ. लक्ष्मण गुर्जर को मामले की गंभीरता से अवगत कराया तो डॉ.लक्ष्मण गुर्जर ऑपरेशन थिएटर से सीधे ब्लड बैंक पहुंचे और 30 वीं बार अपना दुर्लभ ब्लड ग्रुप ए पॉजिटिव रक्तदान कर बीमार बालिका का जीवन बचाया। इस प्रकार हम समय समय पर हमारे बाल काटते हैं नाखून काटते हैं, और यह वापस बढ़ जाते हैं ठीक उसी प्रकार हमें रक्तदान भी नियमित रूप से करना चाहिए हमारा रक्त भी 3 माह में वापस बढ़ जाता है।

गायत्री मंत्र के साथ पौधे रोपे, पेड़ बनने तक संरक्षण का प्रण किया

बूंदी (निसं)। गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ रविवार से बूंदी में पौधारोपण महाभियान प्रारंभ हो गया।

लोक सभा अध्यक्ष बिरला के नेतृत्व में बूंदी के प्रबुद्धजनों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, उद्यिमयों, विद्यार्थियों के साथ सभी वर्गों के लोगों ने खेल संकुल परिसर में पौधे लगाए और पेड़ बनने तक उनके संरक्षण का प्रण किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि आज अवसर है जअ हम यह संकल्प लें कि बूंदी शहर और यहां के हर गांव को हरा-भरा बनाना है। बूंदी शौर्य और पराक्रम की धरती है। यहां की वीरता की गाथाएं सदैव से प्रेरणा की स्त्रोत रही हैं। लेकिन अब हमें बूंदी को पर्यावरण संरक्षण के दृष्टि से प्रेरणा का केंद्र बनाना है। त्योहार मानने से घर बनाने तक हर कार्यक्रम में पौधारोपण को आयोजन का भाग बनाना होगा। उन्होंने कहा कि देश में आज आजादी के अमृत महोत्सव का उत्साह है। यह समय स्वाधीनता संग्राम के दौरान हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के जज्बे से प्रेरणा लेकर नए भारत के निर्माण का समय है।

हमें ऐसा भारत बनाना है जो दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हो। इसके लिए सामूहिकता और एकजुटता से काम करना होगा। बिरला ने कहा कि भारत अध्यात्म और संस्कृति की धरती है। हमारी परम्पराएं ऐसी हैं जहां हम प्रकृति के प्रत्येक अंश की पूजा करते हैं। पर्यावरण संरक्षण हमारे संस्कारों में है। यही वजह है कि अनेक ऐसे उदाहरण है जब पर्यावरण की रक्षा के लिए अनेक लोगों ने अपना बलिदान तक दे दिया।

जीवन भर के लिए हो पर्यावरण संरक्षण का संकल्प:- बिरला ने कहा कि दुनिया आज जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंतित है। लेकिन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भारत विश्व का नेतृत्व कर रहा है। इसके बाद भी हमें इस दिशा में काफी काम करने की आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हमें प्रतिबद्धता के साथ काम करना होगा। हमारा संकल्प एक दिन का नहीं बल्कि जीवन भर को होना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दें।

दोहराया बूंदी के विकास का वादा:- बिरला ने कहा कि बूंदी के विकास की दिशा में संकल्पशक्ति के साथ काम कर रहे हैं। यहां काफी काम स्वीकृत हो चुके हैं। कुछ और कामों को जल्द स्वीकृति मिल जाएगी। पर्यटन के विकास के लिए पैलेस ऑन व्हील का संचालन प्रारंभ होने के बाद उसके बूंदी में ठहराव का निर्णय हो चुका है। बूंदी के किलों और बावड़ियों पर फसाड लाइटस लगेंगी जिससे इनका स्वरूप और भव्य हो जाएगा।

खेल संकुल बनेगा राजस्थान का प्रमुख खेल केंद्र:- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बूंदी विधायक अशोक डोगरा ने कहा कि लोक सभा अध्यक्ष बिरला के प्रयासों से स्वास्थ्य के प्रति सजग लोगों के लिए खेल संकुल आदर्श स्थान बनेगा। पहले बिरला ने यहां 20 करोड रूपए की खेल सुविधाएं स्वीकृत करवाई। अब पौधारोपण के माध्यम से इसे हराभरा भी बना रहे हैं। यह स्थान लोगों को प्रकृति और खेल, दोनों निकट ले जाएगा।

रामेश्वर महादेव धाम पर श्रीमद्भागवत कथा जारी

बूंदी (निसं)। दबलाना रामेश्वर महादेव धाकड समाज के द्वारा रामेश्वर महादेव धाकड समाज की धर्मशाला चल रही 32 वी श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन सभी ने भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया।

कथा व्यास पं. श्री शिवलहरी गौतम द्वारा नंद बाबा के घर पर उत्सव के माहौल का सुंदर वर्णन करने के साथ आयोजन स्थल का पूरा माहौल भी नंदोत्सव के रंग में पूरी तरह से रंग गया।नंद के आनंद भयो, जय कन्हैयालाल के उद्घोष के साथ समूचा आयोजन परिसर गूंज उठा।भक्तों ने भजनों की धुनों पर मगन होकर से थिरकते हुए श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का आंनन्द उजागर किया श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव का आनंद मनाते हुए भक्तों के बीच खूब मिठाई, टॉफीयां और बधाईयां बांटी गयी। कथा प्रसंग में कहा कि भगवान युगों-युगों से भक्तों के साथ अपने स्नेह रिश्ते को निभाने के लिए अवतार लेते आये हैं।

व्यासजी महाराज ने कहा कि भगवान अपने भक्तों के भाव और प्रेम से बंधे है. उनसे भक्तों की दुविधा कभी देखी ही नहीं जाती।वे अपने भक्तों की कामना की पूर्ति तो करते ही है साथ ही उनके साथ अपने स्नेह बंधन निभाने खुद इस धरा पर आते हैं आज की कथा के दौरान वामन अवतार, समुंद्र मंथन, श्री राम जन्मोत्सव और भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव का सुंदर और भाव पूर्ण वर्णन किया।महाराजश्री ने कहा कि भगवान अपने भक्तों के साथ सदा हर पल खडे रहते हैं. वे भक्तों के हाथों से दी प्रेम और भाव के साथ दी गई वास्तु उसी तरह ग्रहण करते हैं, जिस तरह से उन्होंने द्रौपदी का पत्र और गजेंद्र का पुष्प ग्रहण किया।

भगवान ने काल रुपी मकर से भक्त गजराज की रक्षा की तो द्रौपदी के पुकार पर उसका संकट मिटाने स्वयं दौडे चले आये।यह सारी कथाएं ये प्रमाणित करती हैं कि भक्तों के भाव से सदा बंधे रहनेवाले भगवान भक्तों के साथ अपना स्नेह निभाने खुद आते हैं. ठाकुरजी सिर्फ यह कभी नहीं चाहते कि उसके भक्त के पास अहंकार रहे। ठाकुरजी अपने भक्त से ये भी कहते हैं कि मुझे, वो वस्तु अर्पित कर, जो मैंने तुझे कभी नहीं दी. ठाकुरजी कहते हैं- ऐसी कोई वस्तु जो मैंने तूझे नहीं दी, वह अहंकार है. यह मैंने तूझे नहीं दिया। बल्कि तूने खुद इसे अपने भीतर तैयार किया है।महाराजजी ने कहा भगवान को अगर पाना है तो मन में इस भाव को बसा लेना होगा कि मेरा सब कुछ मेरे ठाकुरजी है. मेरे पास अपना कुछ भी नहीं जो कुछ भी है सो मेरे ठाकुर जी का ही है।

गजेंद्र मोक्ष पाठ की महिमा बताते हुए महाराज श्री ने कहा कि जो भी यह पाठ करता है. उस पर ठाकुरजी की कृपा सदा बनी रहती है. संकट उस पर सपने में भी नहीं आते. माता-पिता के चरण पकड लो, किसी और की चरण वंदना की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी. महाराजजी ने कहा कि जीवन में सब कुछ जरूरी है पर एक मर्यादा के अंदर सभी हो तो तभी तक सब ठीक है। महाराजजी ने समुंद्र मंथन से जुडी कई रोचक कथाएं सुनाई। उन्होंने कहा कि अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर लेता है. ठीक उसी प्रकार जैसे अहंकार से ग्रसित दानवों ने समुंद्र मंथन के समय बासुकी नाग के मुख को पकडना श्रेयस्कर समझा और भगवान के मोहिनी रूप पर मंत्र मुग्ध हो उठे.

भगवान के वामन अवतार को तीन कदम आश्रय स्थली दान में देने के बाद राजा बलि को पाताल लोक की शरण लेनी पडी। इसलिए कुछ भी करो, सोच समझ कर करो, जो कुछ भी तोल-मोल कर बोलो, मीठा और मधुर बोलो।इसके उपरांतआरती की गई और प्रसाद वितरण किया गया।

अंडर 11 व अंडर 13 आयु वर्ग बालक बालिकाओं का ट्रायल हुआ

खिलाड़ियों के साथ जिला बैडमिंटन संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बूंदी (निसं)। जिला बैडमिंटन संघ के तत्वधान में आज डिस्ट्रिक्ट क्लब बूंदी में अंडर 11 अंडर 13 आयु वर्ग बालक बालिकाओं की चयन ट्रायल राज्य स्तरीय सब जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप उदयपुर में आयोजित होने जा रही प्रतियोगिता के लिए संपन्न हुई है।

जो चयन ट्रायल का शुभारंभ जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष एडवोकेट अजय नुवाल ने उपस्थित खिलाडियों को शुभकामनाएं देकर व देश में बैडमिंटन खेल की बढ़ती लोकप्रियता एवं विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाडियों की स्वर्णिम सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए किया।

जानकारी देते हुए संघ के सचिव गुरु दत्त शर्मा ने बताया कि इस ट्रायल में काफी तादाद में बच्चे अपने अभिभावकों के साथ उत्साह से भाग लेने आए जिनकी ट्रायल शारीरिक शिक्षक जगदीश सिंह हाडा, दीपिका पाराशर, पीयूष जांगिड, राजू पावा, रणधीर सिंह राठौड, मुकेश दाधीच द्वारा गेम खिलवा कर करवाई गई जिसमें अंडर 13 बालक वर्ग में लव प्रताप सिंह राठौर, दिव्यांश गौतम, लविश मीणा वही अंडर 13 बालिका वर्ग में आशिया दाधीच, पूर्वी जैन जबकि अंडर 10 बालक वर्ग में परीक्षित जांगिड़, उदित जैथलिया दूरवीर सिंह धाबाई ,पार्थ जैन वही अंडर 10 बालिका वर्ग में वानिश्री जांगिड,जीनियस दाधीच का चयन किया गया।

नुवाल ने सभी खिलाडियों को अवगत करवाया की आगामी 23 से 28 अगस्त को राज्य स्तरीय सब जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप उदयपुर हेतु खिलाडी जिला बैडमिंटन संघ के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन राजस्थान बैडमिंटन संघ को भेजकर अपनी प्लेयर आईडी प्राप्त कर ले जो खिलाडी के लिए जिला और राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए आवश्यक है इसके अभाव में खिलाडियों को भाग लेने से रोका जा सकता है अंत में सचिव गुर्जर शर्मा ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

मोहर्रम पर्व के चलते लंगर का आयोजन

छबड़ा (निसं)। कस्बे में मोहर्रम के चलते मुस्लिम समाज, शिया दाउदी बोहरा समाज व शिया ईरानी समाज द्वारा विशेष इबादते की जा रही है, साथ ही लंगर पका कर खिलाए जा रहे व सबिले लगाकर शरबत पिलाया जा रहा है। मोहर्रम पर्व मुस्लिम समाज द्वारा पैगम्बर मोहम्मद साहब के नवासों की शहादत की याद में मनाया जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार क़स्बे में इन दिनों मुस्लिम समाज के लोगो द्वारा मोहर्रम पर्व के चलते विशेष इबादते की जा रही। साथ ही रोज़े भी रखा जा रहे है। वही, यहां अलग-अलग युवाओं की टोलियों द्वारा लंगर पका कर लोगो को खिलाया जा रहा है। अलीगंज में इंडियन ग्रुप व अलीगंज मोहल्ले के युवाओं द्वारा खीचडा बनाकर तक़सीम किया गया तथा ज़ोहरीपुरा मोहल्ला में बाबरी लश्कर टीम द्वारा ज़ोहरीपुरा मदरसे में लंगर बनाया गया। पार्षद आदिल सालारग़ाज़ी ने बताया कि मोहल्ले के युवाओं द्वारा लंगर बनाकर खिलाया गया जिसमे लगभग डेढ़ हजार लोगो ने शिरकत की। साथ ही शिया दाउदी बोहरा समाज द्वारा भी पिछले 9 दिनों से मोहर्रम की मजलिस पढ़ी जा रही है। शिया दाउदी बोहरा समाज कमेटी के सदस्य मोइज़ अकबर बोहरा ने बताया कि 9 दिनों से मोहर्रम की मजलिस पढ़ी जा रही थी। मजलिस पढ़ाने के लिए दुबई से आये हुए मुल्ला असगर बोहरा ने मजलिस पढ़ाई तथा रविवार को मोहर्रम आशूरा पर जोहर की नमाज़ के बाद यूसुफ असगर बोहरा ने दुआ करवाई।

गणेश महोत्सव समिति की बैठक आयोजित

बून्दी (निसं)। शहर के देवपुरा स्थित ग्रीन वैली रिसोर्ट में रविवार को गणेश महोत्सव समिति की बैठक महोत्सव समिति अध्यक्ष व पूर्व सभापति महावीर मोदी की अध्यक्षता में आयोजित हुई । बैठक में 31 अगस्त को गणेश महोत्सव मनाने को लेकर चर्चा की गई। महोत्सव समिति के वरिष्ठ सदस्य रोशन भडकतिया ने वर्ष 2019 में निकाली गई शोभायात्रा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । उपस्थित सदस्यों ने महोत्सव को भव्यता देने के लिए अपने अपने विचार प्रकट किए । महोत्सव समिति अध्यक्ष मोदी ने शोभा यात्रा को भव्य बनाने के लिए अपने विचार रखते हुए कहा कि शोभायात्रा में बैंड बाजे , हाथी घोडे , महिला कलश , आकर्षक झांकियां शोभा यात्रा का आकर्षण का केंद्र रहेंगे। बैठक में सर्वसम्मति से गणेश महोत्सव समिति संयोजक महावीर जैन को चुना गया। सह संयोजक संजय शर्मा , जितेंद्र मीणा , प्रदीप हरसोरा व पेंशु सिंह को चुना गया। बैठक के दौरान महोत्सव को भव्यता प्रदान करने के लिए समितियो का भी गठन किया गया। जिसमें अर्थ संग्रह समिति मैं विजयंत सिंह आमेरा, केसी वर्मा, मनमोहन अजमेरा, विनोद जोशी, नितेश शर्मा, प्रदीप श्रीमाल, टीकम जैन, हर्षवर्धन भटनागर, अनिल चतुर्वेदी, राजेश शेरगढ़िया , राजकुमार श्रंगी , महेंद्र जैन, अनिल शर्मा को सदस्य बनाया गया। शोभायात्रा साज सज्जा समिति में अशोक शेरगढ़िया, संजय तारवान , लोकेश दाधीच , मनीष सिसोदिया, करण शंकर सैनी , दिनेश राठौर को मनोनीत किया। महिला कलश समिति में विनोद सिंह, मोनिका शेरगढ़िया , बबीता दाधीच को बनाया गया। बैठक शोभा यात्रा को भव्य बनाने के लिए आकर्षक झांकियों को लेकर भी चर्चा की गई।

मैं उस चीज को कभी नहीं भुला पाऊंगा जो कोच निकोलई स्नेसारेव ने मेरे लिये किया। मेरे जीवन में कई कोच आये, कई गये लेकिन उनका मेरे करियर पर प्रभाव पूरी जिंदगी रहेगा। उन्होंने मेरे सोचने का तरीका बदला। - **अविनाश साबले**

भारतीय एथलीट, अपने दिवंगत कोच निकोलई स्नेसारेव के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विनेश फोगाट

टोक्यो ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के बाद करियर के सबसे बुरे दौर से गुजरने वाली भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना दबदबा कायम करते हुए स्वर्ण पदक के साथ शानदार वापसी की। विनेश के लिए पिछले 12 महीने काफी तनाव भरे रहे लेकिन परिवार के साथ मिलने और अभ्यास करने के तरीके में बदलाव ने उनके करियर को एक बार फिर से सही राह दी। टोक्यो ओलंपिक में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में पहुंची विनेश पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गयी थी। इसके बाद चोट और कुश्ती महासंघ के साथ तकरार ने उन्हें मानसिक रूप से काफी नीचे धकेल दिया।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

भारत ने विंडीज पर बनायी अपराजेय बढ़त

लॉडरहिल, 7 अगस्त। भारत ने अपने सभी बल्लेबाजों के महत्वपूर्ण योगदान और गेंदबाजों के सधे हुए प्रदर्शन से वेस्ट इंडीज को चौथे टी20 मैच में शनिवार को एकतरफा अंदाज में 59 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की अपराजेय बढ़त बना ली। भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 191 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद वेस्ट इंडीज को 19.1 ओवर में 132 पर रोक दिया। भारत की तरफ से आवेश खान, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई ने दो-दो विकेट लिए जबकि अर्शदीप सिंह 12 रन पर तीन विकेट लेकर सबसे सफल रहे। विंडीज की तरफ से कप्तान निकोलस पूरन और रोवमन पॉवेल ने 24-24 रन बनाये। इससे पहले वेस्ट इंडीज ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। भारत ने तेज शुरुआत करते हुए 4.4 ओवर में ही 53 रन ठोक डाले। कप्तान रोहित शर्मा ने मात्र 16 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 33 रन कीआतिशी पारी खेली। सूर्यकुमार यादव ने एक चौके और दो छक्कों की मदद से 24 रन बनाये। दीपक हुड्डा ने 21 और ऋषभ पंत ने 31 गेंदों में छह चौकों के सहारे 44 रन, संजू सैमसन ने 23 गेंदों में नाबाद 30 और अक्षर पटेल ने आठ गेंदों में दो छक्कों के सहारे नाबाद 20 रन बनाये। केवल दिनेश कार्तिक छह रन बनाकर आउट हुए। वेस्ट इंडीज की तरफ से ओबेद मकाय और अलजारी जोसफ ने दो-दो विकेट लिए।

आनंद बने फिडे उपाध्यक्ष, ड्वोर्कोविच अध्यक्ष

चेन्नई, 7 अगस्त। रूस के आर्केडी ड्वोर्कोविच रविवार को शतरंज ओलंपियाड के दौरान ममल्लपुरम में हुए चुनावों में पुन: अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के अध्यक्ष चुने गये, जबकि भारत के ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। फिडे ने ट्विटर पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, "आर्केडी ड्वोर्कोविच को 16 के मुकाबले 157 मतों के साथ अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया। विश्वनाथन आनंद नए फिडे उपाध्यक्ष हैं।" आनंद से पहले फ्रांस के ग्रैंडमास्टर बकर कोएटली फिडे उपाध्यक्ष थे।

वी. प्रणव भारत के 75वें ग्रैंडमास्टर बने

चेन्नई, 7 अगस्त। शतरंज खिलाड़ी वी प्रणव रोमानिया में एक टूर्नामेंट जीतकर रविवार को भारत के 75वें ग्रैंडमास्टर बन गए। चेन्नई के 15 वर्ष के प्रणव ने रोमानिया के बाइया मारे में लिम्पेडिया ओपन जीतकर अपना तीसरा और आखिरी ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया। उन्होंने नौ दौर में सात अंक लेकर ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया। उन्होंने कहा ," यह शानदार अहसास है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढेगा और आगे अच्छा प्रदर्शन कर सकूंगा।" प्रणव तमिलनाडु के 27वें ग्रैंडमास्टर हैं। उनसे पहले विश्वनाथन आनंद, डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा भी इसी राज्य से ग्रैंडमास्टर बने हैं।

स्टॉपवॉच मामले में हॉकी इंडिया ने एफआईएच को लिखा, नियम में बदलाव की मांग

नयी दिल्ली, 7 अगस्त। राष्ट्रमंडल खेलों में 'स्टॉपवॉच विवाद' से खफा हॉकी इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ को पत्र लिखकर नियमों में बदलाव करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान शूटआउट में तकनीकी अधिकारियों ने भारी भूल की और भारतीय गोलकीपर सविता ने आस्ट्रेलिया का पहला शॉट बचा लिया था लेकिन घड़ी चालू नहीं होने का हवाला देकर आस्ट्रेलिया को वह शॉट फिर से दिया गया जिस पर गोल हो गया। एफआईएच ने इस मामले में तुरंत माफी मांगकर समीक्षा का आदेश दिया था। एफआईएच सीईओ थियरी वील को लिखे पत्र में हॉकी इंडिया की मुख्य कार्यकारी एलेना नॉर्मन ने कहा ," इससे पहले भी चैम्पियंस ट्रॉफी 2016, जूनियर महिला विश्व कप 2021 , तोक्यो ओलंपिक 2022 और अब राष्ट्रमंडल खेलों में पेनल्टी शूटआउट इसे पहले इस तरह की गलतियों से भारत को खामियाजा भुगतना पड़ा है।"

सार्थक और रहीश ने जीत हासिल की

चेन्नई, 7 अगस्त। 2022 एमआरएफ एमएमएससी एफएमएससीआई इंडियन नेशनल मोटरसाइकल रेसिंग चैम्पियनशिप के तीसरे राउण्ड के दूसरे दिन के समापन के साथ 20 नेक्स्ट-जेन मिलेनियल राइडरों ने मैदान पर पावर पैक्ड परफोर्मेन्स दिया। आईडेमिट्सु होण्डा इंडिया टैलेंट कप एनएसएफ250आर की आज की रेस में पुणे के सार्थक चवन ने 22 सैकण्ड की ज़बरदस्त बढ़त के साथ एक बार फिर से जीत हासिल कर ली। ट्रैक पर अपना जादू दर्शाते हुए मुंबई के 14 वर्षीय रहीश खत्री ने अपना प्रभुत्व बनाए रखा और आईडमिट्सु होण्डा इंडिया टैलेंट कप सीबीआर150आर में जीत हासिल कर ली। तीसरे राउण्ड के अंत में सार्थक और रहीश दोनों ने एनएसएफ250आर और सीबीआर150आर कैटेगरीज़ में चैम्पियनशिप के लीडर्स के रूप में अपना प्रभुत्व बनाए रखा। तीसरे राउण्ड के बारे में बात करते हुए प्रभु नागराज- ऑपरेटिंग ऑफिसर, ब्राण्ड एण्ड कम्युनिकेशन, होण्डा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इंडिया ने कहा, "हमारे युवा राइडरों को इतने जोश और उत्साह के साथ मुकाबला करते हुए देख हम बेहद खुश हैं।

मुक्केबाजी में निखत, अमित और नीतू ने जीते स्वर्ण

बर्मिंघम, 7 अगस्त। विश्व चैंपियन भारतीय मुक्केबाज़ निखत ज़रीन, अमित पंघल और नीतू घंघस ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भारतीय मुक्केबाज़ी का परचम लहराते हुए अपने-अपने फाइनल जीतकर स्वर्ण हासिल किये।

कुछ हफ्ते पहले विश्व चैंपियन बनीं निखत ने महिला 50 किग्रा मैच में बेलफास्ट की कार्ली मेकनॉल को मात दी। निखत ने मैच की शुरुआत से ही कार्ली पर मुक्कों की बरसात शुरू कर दी और कमेंटेटर के शब्दों में बेलफास्ट की मुक्केबाज़ को महत्वपूर्ण सबक सिखाया। तीन राउंड के बाउट में कभी भी नहीं लगा कि कार्ली नियंत्रण में हैं, और अंतत: निखत ने 5-0 के एकमत फैसले से स्वर्ण जीता।

अमित पंघल ने पुरुष 51 किग्रा फाइनल में इंग्लैंड के कियेरेन मैकडॉनल्ड को मात देकर सोने का तमगा हासिल किया। गोल्डकोस्ट 2018 खेलों के सिल्वर मेडलिस्ट अमित ने मैच की शुरुआत से ही कियेरेन पर मुक्कों की बारिश कर दी और पहले राउंड में ही अपने विपक्षी को कई चोटें पहुंचायीं। दूसरे राउंड में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमित ने 4-0 के एकतरफा फैसले से स्वर्ण हासिल किया।

दूसरी ओर, नीतू घंघस ने महिला 48 किग्रा फाइनल में मेज़बान इंग्लैंड की मुक्केबाज़ डेमी जेड को मात देकर स्वर्ण जीता। दो बार की विश्व यूथ चैंपियन नीतू ने अपनी विपक्षी को 4-0 के एकतरफा फैसले से मात दी।

नीतू ने जीत के बाद कहा, "मैं स्वर्ण पदक जीतने के बाद बेहद खुश हूं। मैं यह पदक अपने देशवासियों के नाम करना चाहती हूं। मैं भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ के समर्थन के लिये उनकी शुक्रगुज़ार हूं। मैं अपने कोचों, और अपने परिवार की भी शुक्रगुज़ार हूं क्योंकि मैं उनके समर्थन के बिना यह स्वर्ण नहीं जीत सकती थी। एनसीओई रोहतक का भी धन्यवाद जहां मैंने कई सालों तक प्रशिक्षण लिया।"

इस बीच अनुभवी मुक्केबाज मोहम्मद हुसामुद्दीन ने पुरुष 57 किग्रा फेदरवेट सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक प्राप्त किया। घाना के जोसेफ कोमी ने शनिवार को हुए बाउट में हुसामुद्दीन को 4-1 के फैसले से मात दी।

उल्लेखनीय है कि भारत बर्मिंघम 2022 में अब तक तीन स्वर्ण और तीन कांस्य सहित छह मुक्केबाज़ी पदक जीत चुका है। अब भारत के सागर पुरुष 91 किग्रा के फाइनल में अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

भारत ने तिहरी कूद में जीते स्वर्ण, रजत

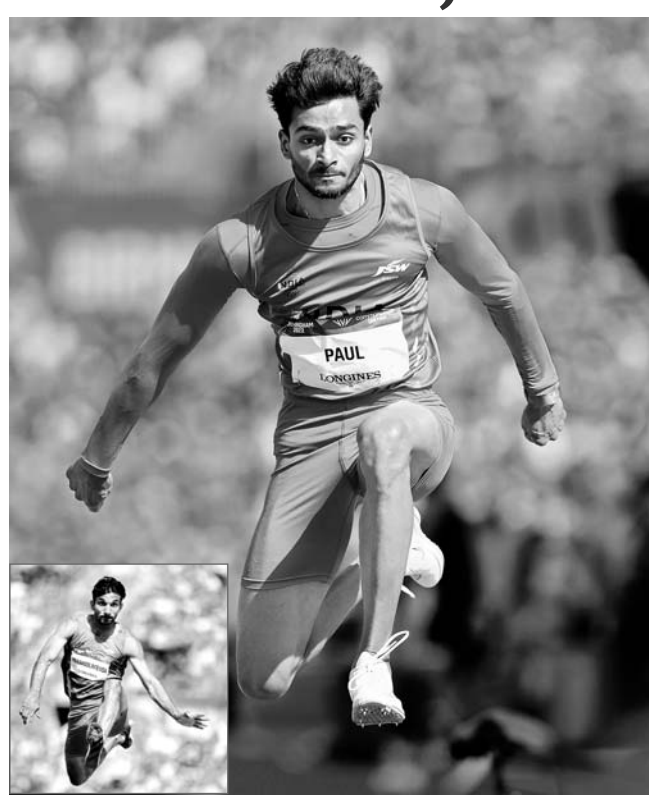

बर्मिंघम, 7 अगस्त। भारत के एल्डोस पॉल और अब्दुल्ला अबूबकर ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में एथलेटिक्स में भारत की विजय पताका लहराते हुए तिहरी कूद में स्वर्ण व रजत पदक जीता। एल्डोस ने 17.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि अब्दुल्लाह ने उनसे सिर्फ 0.01 मीटर पीछे रहते हुए 17.02 के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक अपने नाम किया। एल्डोस और अब्दुल्ला के हमवतन प्रवीण चित्रावेल कांस्य पदक से तीन सेंटीमीटर के अंतर से चूक गये और 16.89 मीटर के प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे।

पिता के अवैतनिक अवकाश ने मुक्केबाजी में नीतू गंघास को बनाया चैम्पियन

बर्मिंघम, 7 अगस्त। युवा भारतीय मुक्केबाज नीतू गंघास ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपने पहले स्वर्ण पदक को पिता जय भगवान को समर्पित किया, जिन्होंने अपनी बेटी के सपने को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

हरियाणा सचिवालय के कर्मचारी जय भगवान दो बार की विश्व युवा चैंपियन नीतू को प्रशिक्षित करने के लिए पिछले तीन वर्षों से अवैतनिक अवकाश पर है। पिता की बलिदान रविवार को रंग लाया जबनीतू ने महिलाओं के मिनिममवेट (45-48 किग्रा) वर्ग के फाइनल में विश्व चैम्पियनशिप 2019 की कांस्य पदक विजेता रेन्जटान डेमी जेड को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से पराजित कर जीत दर्ज की। गले में स्वर्ण पदक पहने नीतू ने कहा, तिरंगे को ऊपर जाते हुए देखना सबसे बड़ा अहसास था, मेरी एक पुरानी इच्छा आज पूरी हो गई। मैं सभी के आशीर्वाद के लिए आभारी हूं। यह पदक देशवासियों और मेरे पिता (जय भगवान) के लिए है।"

नीतू ने कहा, " कोई कसर नहीं छोड़ा उन्होंने मेरे लिये। वह कई मुश्किल परिस्थितियों से गुजरे लेकिन हमेशा सुनिश्चित किया कि मुझे सर्वश्रेष्ठ मिले। मैं उनके समर्थन के बिना यहाँ नहीं होती।" हरियाणा की 21 साल की यह मुक्केबाज रिंग के अंदर किसी से कम नहीं है लेकिन जब वह खेल क्षेत्र से बाहर निकलती है तो काफी शर्मीले स्वभाव की है। शर्मीलापन इतना कि उनकी बातों को सुनने के लिए ध्यान लगाना पड़ता है। भारतीय टीम के कोच भास्कर चंद्र भट्ट नीतू को 'गब्बर शेरनी' कह कर बुलाते है।

उन्होंने कहा, "वह हमेशा से ऐसी (शर्मीले स्वभाव की) ही रही है। शिविर में और शिविर के बाहर ही आप मुश्किल ही उसकी आवाज सुन पाते है।

रिंग के अंदर वह 'गब्बर शेरनी' की तरह है।" अपनी 'आदर्श' और छह बार की विश्व चैंपियन मैरीकॉम के स्थान पर राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चुनी गयी नीतू यहां अजेय रहीं। नीतू ने कहा, "मैरीकॉम मैम की जगह एक अलग ही है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर भारतीय मुक्केबाजी को एक पहचान दी है। मैं उनके सामने कहीं नहीं हूं।'

संदीप कुमा ने पैदल चाल में जीता कांस्य

बर्मिंघम, 7 अगस्त। भारत के अनुभवी रेसवॉक एथलीट संदीप कुमार पूनिया ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में इतिहास रचते हुए रविवार को पुरुष 10 किमी पैदल चाल में कांस्य पदक जीता। संदीप ने 38:49.21 के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 10,000 मीटर स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय एथलीट चार किमी तक प्रथम स्थान पर चल रहे थे।आगे चलकर उनकी रफ्तार में कमी आयी लेकिन वह पोडियम पर स्थान हासिल करने में सफल रहे। यह रेसवॉकिंग में भारत का तीसरा राष्ट्रमंडल पदक है।

भुल्लकर ने जीता इंडोनेशिया ओपन

जकार्ता, 7 अगस्त। भारत के गगनजीत भुल्लर ने रविवार को दो शॉट की जीत के साथ 500,000 बैंक मंदिरी इंडोनेशिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट जीत लिया और चार साल का अंतर्राष्ट्रीय खिताब काअपना सूखा समाप्त कर दिया। भुल्लर (68-67-68-65) ने आखिरी राउंड में सात अंडर 65 का बेहतरीन कार्ड खेला और 20 अंडर 268 के स्कोर के साथ खिताब जीता। यह उनका 11वां अंतर्राष्ट्रीय और एशियन टूर पर 10वां खिताब है। इंडोनेशिया ओपन में यह उनकी तीसरी खिताबी जीत है।

शरत-सत्यन की जोड़ी ने जीता रजत, श्रीजा हारी

बर्मिंघम, 7 अगस्त। सत्यन ज्ञानसेकरन और अचंत शरत कमल की स्टार टेबल टेनिस जोड़ी ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रविवार को पुरुष युगल का फाइनल मैच हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया। शरत-सत्यन को इंग्लैंड के पॉल ड्रिंकहॉल और लायम पिचफोर्ड ने करीबी मुकाबले में 3-2 से मात दी। इंग्लिश जोड़ी ने पांच गेमों के मैच में 8-11, 11-8, 11-3, 7-11,11-4 से जीत दर्ज की। यह बर्मिंघम 2022 खेलों में भारत का दूसरा टेबल टेनिस पदक है। इससे पहले भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने सिंगापुर को हराकर स्वर्ण जीता था। उल्लेखनीय है कि भारत की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला को महिला एकल के कांस्य पदक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की यांग्ज़ी लियु के हाथों 4-3 से हार मिली। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रही श्रीजा को सात गेमों के मैच में 3-11, 11-6, 11-2, 7-11, 15-13, 9-11, 11-7 से मात देकर कांसे का तमगा हासिल किया।

अन्नू रानी ने जैवलिन थ्रो में जीता ऐतिहासिक पदक

बर्मिंघम, 7 अगस्त। भारतीय एथलीट अन्नू रानी ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में इतिहास रचते हुए रविवार को भाला फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। अन्नू ने अपने चौथे प्रयास में जैवलिन को 60 मीटर की दूरी पर फेंककर तीसरा स्थान हासिल किया। इस जीत के साथ अन्नू भारत के लिये राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली पहली महिला जैवलीन थ्रोअर बन गयीं। विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की केल्सी-ली बार्बर ने 64.43 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि उनकी हमवतन मकैंज़ी लिटल (64.27 मीटर) ने रजत पदक अपने नाम किया। रानी से पहले काशीनाथ नायक और ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी जैवलिन थ्रो में भारत के लिये पदक जीत चुके हैं।

सिंधु, लक्ष्य के बाद सात्विकसाईराज-चिराग की जोड़ी फाइनल में

बर्मिंघम, 7 अगस्त। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु, युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने-अपने एकल फाइनल में जगह बनायी, हालांकि किदांबी श्रीकांत सेमीफाइनल में हार गये। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पुरुष युगल के फाइनल में जगह बनायी जबकि त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीनाथ को महिला युगल सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु ने महिला एकल सेमीफाइनल में सिंगापुर की जिया मिन यिओ को रविवार को 21-19, 21-17 से सीधे गेमों में मात देकर फाइनल में जगह बनायी। सिंधु ने विश्व की 18वें नंबर की खिलाड़ी को हराकर लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के एकल फाइनल में जगह बनायी है। उन्होंने गोल्डकोस्ट 2018 खेलों में रजत पदक हासिल किया था।

दूसरी ओर, लक्ष्य को फाइनल में पहुंचने के लिये थोड़ी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन अंतत: उन्होंने सिंगापुर के जियाह हेंग टेह को 21-10, 18-21, 21-16 से मात दी। थॉमस कप विजेता टीम के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहला गेम आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे गेम में सिंगापुरी खिलाड़ी ने अपनी लय हासिल की और मैच को निर्णायक गेम में भेज दिया। तीसरे और अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन ब्रेक तक 11-8 की बढ़त हासिल करने के बाद लक्ष्य ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में अपने लिये एकल पदक सुनिश्चित किया।

भारत ने महिला हॉकी में 16 साल बाद जीता राष्ट्रमंडल पदक

बर्मिंघम, 7 अगस्त। भारतीय महिला हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रविवार को न्यूज़ीलैंड को शूटआउट में मात देकर 16 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीता। भारत ने कांस्य पदक मैच में न्यूज़ीलैंड को 1-1 (शूटआउट में 2-1) से हराकर कांसे का तमगा अपने नाम किया। सलीमा टेटे (29) ने भारत का एकलौता गोल किया, जबकि कीवी टीम की ओर से ओलिविया (59) ने गोल किया।

शूटआउट में भारत के लिये सोनिका और नवनीत ने गोल किये। मैच का पहले क्वार्टर में भारत ने न्यूज़ीलैंड पर दबदबा बनाया मगर कीवी गोलकीपर ने भारत को खाता नहीं खोलने दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक रवैया बरकरार रखा और जब हाफ टाइम में दो मिनट का समय बचा था तब सलीमा टेटे ने गेंद को नेट तक पहुंचाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी।

मैच के तीसरे क्वार्टर में न्यूज़ीलैंड मैच को बराबरी पर लाने के लिये आतुर थी। जब

क्वार्टर-3 की समाप्ति में सिर्फ दो मिनट बचे थे तब न्यूज़ीलैंड ने एक गोल किया भी, मगर भारत के वीडियो रेफरल के बाद उसे अमान्य घोषित कर दिया गया।

भारत मैच के 58वें मिनट तक 1-0 से आगे चल रहा था और कांस्य पदक से एक हाथ की दूरी पर था कि तभी लालरेमसियामी को येलो कार्ड मिला और फील्ड पर सिर्फ 10 भारतीय खिलाड़ी रह गये। ज्यादा खिलाड़ियों की बदौलत न्यूज़ीलैंड ने भारतीय हाफ में जगह बना ली। यहां पहले कीवियों को पेनल्टी कॉर्नर और फिर पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसके उपयोग से न्यूज़ीलैंड ने स्कोर 1-1 से बराबर कर लिया।

भारत को सेमीफाइनल मैच के शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया से 3-0 से मात मिली थी, और यह मैच भी शूटआउट में जा चुका था। न्यूज़ीलैंड ने पहले प्रयास में स्कोर किया जबकि भारत असफल रहा, जिससे टीम पर दबाव बढ़ गया।

यहां भारत की अगुवाई करते हुए कप्तान सविता पूनिया ने न्यूज़ीलैंड के अगले चारों प्रयास रोके, जबकि सोनिका और नवनीत ने एक-एक गोल करके भारत को 2-1 से जीत दिलायी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 16 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों में कोई पदक जीता है। इससे पहले मैनचेस्टर 2006 खेलों में भारत ने महिला हॉकी का रजत पदक जीता था।

कबड्डी खिलाड़ियों ने प्रो. कबड्डी नीलामी में सोने पर निशाना साधा, पहली बार कोई खिलाड़ी 2 करोड़ के पार

मुंबई, 7 अगस्त। वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 9 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी मुंबई में मशाल स्पोर्ट्स द्वारा 5-6 अगस्त, 2022 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। पवन कुमार सहरावत, जिन्हें तमिल थलाइवाज द्वारा सबसे महंगी बोली लगाकर खरीदा गया, लीग इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी साबित हुए। दो दिवसीय आयोजन में में 12 फ्रेंचाइजी टीम ने कुल 130 खिलाड़ियों के साथ करार किया।

नीलामी का मुख्य आकर्षण पवन कुमार सेहरावत रहे, जिन्होंने तमिल थलाइवाज द्वारा 2.26 करोड़ रुपये की भारी राशि में खरीदे जाने के बाद अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस बीच, विकास कंडोला को बेंगलुरु बुल्स के रूप में एक नया घर मिला। बुल्स ने उन्हें 1.70 करोड़ रुपये (पवन कुमार सेहरावत की बोली लगाने तक का रिकॉर्ड) में खरीदा। इस तरह कंडोला वीवो प्रो कबड्डी लीग प्लेयर नीलामी इतिहास में अब तक के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। फ्रैंचाइजी द्वारा 90 लाख रुपये में फाइनल बिड मैच कार्ड का उपयोग करने के बाद परदीप नरवाल एक बार फिर यूपी योद्धा टीम में लौट आए।

इस बीच, रेडर गुमान सिंह वीवो प्रो कबड्डी लीग प्लेयर नीलामी में सबसे महंगे श्रेणी-बी खिलाड़ी के रूप में उभरे। गुमान को यू मुंबा ने 1.21 करोड़ रुपये में खरीदा। इसके अलावा, डिफेंडर सुनील कुमार श्रेणी-बी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्हें जयपुर पिंक पैंथर्स ने 90 लाख रुपये में खरीदा। हरियाणा स्टीलर्स द्वारा 65.10 लाख रुपये में खरीदे जाने के बाद अमीर होसिन बस्तमी श्रेणी-सी में सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। इस बीच, दबंग दिल्ली केसी. द्वारा 64.10 लाख रुपये में खरीदे जाने के बाद रवि कुमार सरप्राइज पिक के रूप में उभरे। नीरज नरवाल (43 लाख रुपये) और रिंकू नरवाल (40 लाख रुपये) ने भी भारी कमाई की।

पूर्व भारतीय खिलाड़ी चाहते है भूटिया एआईएफएफ अध्यक्ष पद के लिये चुनाव लड़े

नयी दिल्ली, 7 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के आगामी चुनावों के लिये निर्वाचक मंडल में आधी संख्या पूर्व खिलाड़ियों की होगी तो भारत के कुछ पूर्व खिलाड़ियों को लगता है कि महान फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया को अध्यक्ष पद के लिये चुनाव लड़ना चाहिए। उच्चमत न्यायालय ने बुधवार को सुनवाई को बाद देश में इस खेल का संचालन कर रही प्रशासकों की समिति (सीओए) ने चुनाव की तारीख 28 अगस्त रखी है जिसके लिये 13 अगस्त से चुनावी प्रक्रिया शुरू होगी। शीर्ष अदालत ने कहा था कि एआईएफएफ की कार्यकारी समिति के निर्वाचक मंडल में 36 राज्य संघों के प्रतिनिधियों के अलावा 36 दिग्गज खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व होगा जिसमें से 24 पुरूष और 12 महिला खिलाड़ी होंगी।

दो साल बाद हम वनडे क्रिकेट को खो देंगे : मोईन

लंदन, 7 अगस्त। इंग्लैंड के आलराउंडर मोईन अली एक और बड़े क़द के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बने हैं जिन्होंने व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम के चलते वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के भविष्य पर चिंता जताई है। हाल ही के दिनों में मोईन के कई साथी, जैसे जॉस बटलर, जो रूट और बेन स्टोक्स, इस विषय पर बात कर चुके हैं। अपने कार्यक्रम के चलते इंग्लैंड ने भारत और साउथ अफ्रीका के विरुद्ध क्रमश: 25 दिनों में 12 सीमित ओवर मैच खेले थे। द हंड्रेड प्रतियोगिता में अपनी टीम बर्मिंघम फ़ीनिक्स के पहले मुक़ाबले से पहले एक प्रायोजक के कार्यक्रम के दौरान मोईन ने कहा, "कार्यक्रम अभी बहुत विस्तृत है। आप चाहते हैं कि आप फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट के लिए ख़ुद को उपलब्ध रखें लेकिन इसका मतलब होगा टेस्ट या वनडे मैच मिस करना। आप चाहते हैं आप इंग्लैंड के लिए सारे ही मुक़ाबले खेल सकें। मेरे हिसाब से यह धारणीय नहीं है।"

उन्होंने कहा,"मुझे डर है दो साल बाद हम वनडे क्रिकेट को खो देंगे क्योंकि यह एक लंबा बोरिंग प्रारूप है। टी20 अपनी जगह सुरक्षित है और फिर आपके पास टेस्ट क्रिकेट भी है जो बढ़िया है। इन दोनों के बीच 50-ओवर क्रिकेट को महत्त्व नहीं मिलता। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है बहुत ज़्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है। एक हिसाब से यह खेल के लिए अच्छा भी है लेकिन इसके वजह से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट पर रुकावट नहीं होनी चाहिए।" स्टोक्स ने हाल ही में अपने टेस्ट कप्तानी और टी20 क्रिकेट में खेलते रहने के लिए वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। मोईन का कहना है कि ऐसा क़दम कई और खिलाड़ी अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ले सकते हैं।

पुरुष मुक्केबाज अमित पंघल ने पुरुष 51 किग्रा. फाइनल में इंगलैण्ड के कियेरेन मैकडॉनल्ड को मात देकर सोने का तमगा हासिल किया। गोल्डकोस्ट 2018 खेलों के सिल्वर मैडलिस्ट अमित ने मैच की शुरुआत से ही कियेरेन पर मुक्कों की बारिश कर दी और पहले राउण्ड में ही अपने विपक्षी को कई चोटें पहुंचायीं। दूसरे राउण्ड में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमित ने 4-0 के एकतरफा फैसले से स्वर्ण हासिल किया।

'केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं होगा जे.डी.यू.'

जे.डी.यू. के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने यह बयान देकर भाजपा और नीतीश की पार्टी के बीच चल रही तनातनी खुलेआम जाहिर कर दी

नई दिल्ली, 7 अगस्त। भाजपा और जेडीयू में अनबन इन दिनों काफी बढ़ गई है, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आर.सी.पी. सिंह ने नीतीश की पार्टी से इस्तीफा दे दिया है तो वहीं जेडीयू के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने ऐलान करते हुए कहा कि, जदयू नरेंद्र मोदी सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 2019 के फैसले पर कायम हैं। साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.सी.पी. सिंह के नरेंद्र मोदी सरकार में शामिल होने को लेकर उन्होंने कहा कि वे कैसे मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे, ये वही बताएंगे।

वहीं भाजपा के साथ 2024 लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन को

■ 2024 में भाजपा के साथ गठबंधन करने के संबंध में ललन सिंह ने कहा कि, कल किसने देखा है।

लेकर ललन सिंह ने कहा कि कल किसने देखा है।

मालूम हो कि बिहार में एन.डी.ए. की साथी होने की वजह से बीजेपी ने केंद्र सरकार में जेडीयू को एक मंत्री पद दिया था, जिसके जरिए तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.सी.पी. सिंह को केंद्रीय मंत्री बनाया गया था। हालांकि, आर.सी.पी. सिंह के राज्यसभा से कार्यकाल खत्म होने के बाद जेडीयू से उन्हें फिर उच्च सदन नहीं भेजा गया। इसी वजह से आर.सी.पी. सिंह को केंद्रीय मंत्री पद से अपना इस्तीफा देना पड़ा था।

जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि आर.सी.पी. सिंह का तन जदयू में और मन कहीं और था। ललन सिंह ने आगे कहा कि देर-सबेर आर.सी.पी . सिंह को इस पार्टी से जाना ही था। वहीं आर.सी.पी. सिंह के जेडीयू को डूबता जहाज कहने पर उन्होंने कहा कि जदयू डूबता नहीं दौड़ता जहाज है, आर.सी.पी. को इसकी एबीसीडी भी नहीं पता है। आर.सी.पी. जदयू के संघर्ष के नहीं सत्ता के साथी हैं।

रास्ते से भटक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकेगा। इसरो ने कहा कि, समस्या की ठीक से पहचान कर ली गई है।

गौरतलब है कि, इसरो ने स्मॉल सैटलाइट लॉन्च वीइकल से देशभर की 750 ग्रमीण छात्राओं द्वारा बनाया गया सैटलाइट भी लॉन्च किया था। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में इसकी पूरी तैयारी की गई थी। बताया जा रहा था कि इस मिशन को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी थी क्योंकि इसकी कामयाबी के साथ ही स्मॉल सैटलाइट लॉन्चिंग के लिए दुनियाभर की नजरें भारत की ही तरफ होतीं। हालांकि कुछ गड़बड़ी की वजह से इस बार यह कामयाब नहीं हो पाया।

राज्यपाल कोश्यारी पर लगाम

मुंबई, 7 अगस्त। मराठी मानुष और मारवाड़ियों पर बयान देना महाराष्ट्र के गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी के गले की फांस बनता जा रहा है। बताया जा रहा है कि पार्टी ने उन्हें अब अपना मुंह बंद रखने के निर्देश दिए हैं। इस अनुमान को हवा उस वक्त मिली जब दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कोश्यारी ने मीडिया को देखकर मुंह फेर लिया। हालांकि कोश्यारी ने अपने बयान के लिए माफी भी मांग ली है, इसके बावजूद पार्टी पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी गठबंधन की सरकार को उखाड़ फेंकने के बाद भाजपा अब फूंक-फूंककर कदम रख रही है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी इस समय दिल्ली में हैं। उन्होंने महाराष्ट्र सदन में हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की। महाराष्ट्र टाइम्स के मुताबिक इस दौरान उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी। कोश्यारी ने कहा कि मैं बात नहीं करूंगा। यहां एक मुख्यमंत्री है,

■ यही वजह है कि, राज्यपाल कोश्यारी ने दिल्ली में मीडिया को देखकर मुंह फेर लिया और चुपचाप ही कार्यक्रम से निकल गये।

उनसे बात करें। मैं बात नहीं करना चाहता। कोश्यारी ने यह भी कहा कि राज्यपाल को नहीं बोलने का आदेश दिया गया है। कोश्यारी के इस बयान से अंदाजा लगाया जा रहा है कि पार्टी द्वारा उन्हें मुंह बंद रखने का आदेश दिया गया है। हालांकि राज्यपाल के संवैधानिक पद होने के कारण अब इस सवाल पर बहस हो सकती है कि क्या कोई उन्हें इस तरह से बोलने से मना कर सकता है। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम में विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर गुजराती और मारवाड़ियों ने छोड़ दिया तो मुंबई आर्थिक राजधानी नहीं होगी। उनके इस बयान के बाद पूरे प्रदेश में गुस्से की लहर दौड़ गई थी। जिसके चलते भाजपा दुविधा में थी। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत भाजपा और एकनाथ शिंदे समूह के नेताओं ने भी राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया था।

कर्नाटक में हिन्दुओं की दरगाह सर्वधर्म समभाव की जबरदस्त नज़ीर है

बेलगावी जिले के हरलापुर गांव में हिन्दू लोग पूरे जोश-खरोश से सभी मुस्लिम पर्व मनाते हैं

बेलगावी, 7 अगस्त (वार्ता)। कर्नाटक के बेलगावी जिले के सावदत्ती तालुक में एक छोटा सा गांव हरलापुर है जहां हिंदुओं ने ना केवल एक दरगााह का निर्माण किया है बल्कि वहां मुसलमानों का हर पर्व मनाकर सर्व धर्म समभाव का नजीर भी पेश करते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि इस गांव में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं है। स्थानीय लोगों के विचार व दिमाग धार्मिक समरसता में बहुत बड़ा माना जाता है। इसलिए हिंदुओं ने यहां एक फकीर स्वामी दरगाह बनाई है और अब वे मुहर्रम मना रहे हैं।

मुहर्रम यहां हर साल भव्यता के साथ मनाया जाता है। मुस्लिम धर्म के सभी अनुष्ठान यहां हिंदुओं द्वारा किए जाते हैं, जिसमें पंजा की स्थापना, पूजा, डोली का निर्माण और उनके जुलूस को

■ दिलचस्प बात यह है कि, इस गांव में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं है। स्थानीय लोगों के विचार व दिमाग धार्मिक समरसता में बहुत बड़ा माना जाता है। इसलिए हिंदुओं ने यहां एक फकीर स्वामी दरगाह बनाई है और अब वे मुहर्रम मना रहे हैं।

धारा में शामिल किया जाता है। इस बार भी वे दो हफ्ते से तैयारी कर रहे थे।

अधिकांश लोगों ने अपने घरों में नए कपड़े खरीदे हैं। संत राजू गंजी मास्टर के मार्गदर्शन में युवाओं ने लाजिम और कोलाटा प्रशिक्षण आयोजित किया है। युवा पुट्टनागौड़ा पाटीला की सुरीली आवाज में कथन के शब्दों को सुनना अद्भुत है। लोग यहां दिन-रात नाचते गाते हैं। त्योहार के दिन एक जुलूस के सामने, रंग-बिरंगे कपड़े पहने और रंग-बिरंगे गुलदस्ते पकड़े हुए नृत्य करना एक संस्कार है।

जैसा कि गांव के बड़े बताते हैं मुहर्रम और उर्स यहां चार पीढ़ियों से मनाया जाता रहा है। गांव के वरिष्ठ लोगों और युवाओं ने चंदा एकत्र किया और आठ लाख रुपये की लागत से फकीर स्वामी दरगाह का निर्माण किया।

यह दरगाह इस मामले में भी अनूठा है कि यहां हिंदू, बौद्ध, ईसाई, वीरशैव-लिंगायत देवताओं और महात्मा की तस्वीरों की भी पूजा की जाती है।

बताया जाता है कि पहले इस कस्बे में मुस्लिम समुदाय का एक फकीर भगवान की चार मूर्तियों की पूजा करता था। उनकी मृत्यु के बाद, उन्हें रामचंद्र निंबकार के खेत में दफनाया गया था। वहाँ से वे मुट्ठी भर मिट्टी लाए और गांव के मुख्य भाग में एक मकबरा बनाया। गांव के लोग यह नहीं जानते कि वह फकीर कहां से आया था।

फकीर गांव के लोगों के लिए एक मार्गदर्शक था। फकीर हिंदुओं के लिए भगवान से कम नहीं माने जाते और वृद्ध लोग उन्हें फकीरेश्वर कहते हैं।

दरगाह के ठीक बगल में एक बड़ा नीम का पेड़ है। जिन लोगों को सांप ने काट लिया है, उन्हें इस नीम के पेड़ के पत्ते और दरगाह का प्रसाद खिलाया जाता है। उल्टी होने के तुरंत बाद सांप के काटे हुए व्यक्ति की जान बच जाती है।

कुछ हफ्ते पहले विश्व चैंपियन बनीं मुक्केबाज निखत जरीन ने कॉमनवैल्थ गेम्स में गोल्ड मैडल जीत लिया है। निखत ने महिला 50 किग्रा. मैच में बेलफास्ट की कार्ली मेकनॉल को मात दी। निखत ने मैच की शुरुआत से ही कार्ली पर मुक्कों की बरसात शुरू कर दी और बेलफास्ट की मुक्केबाज़ को महत्वपूर्ण सबक सिखाया। तीन राउण्ड के बाउट में कभी भी नहीं लगा कि, कार्ली नियंत्रण में हैं, और अंततः निखत ने 5-0 के एकमत फैसले से स्वर्ण जीत लिया।

गुजरात में आदिवासी कार्ड खेला केजरीवाल ने

अहमदाबाद, 7 अगस्त। आपआम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि यदि उनकी पार्टी गुजरात में सत्ता में आती है, तो राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में संविधान की 5वीं अनुसूची और पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम को लागू किया जाएगा। केजरीवाल ने यह भी गारंटी दी कि गुजरात की आदिवासी सलाहकार समिति का नेतृत्व मुख्यमंत्री के बजाय समुदाय के एक व्यक्ति द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव सत्तारूढ़ बीजेपी और आप के बीच सीधा मुकाबला होगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने गुजरात के अपने दौरे के दूसरे दिन वड़ोदरा में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही।

गौरतलब है कि गुजरात में इस वर्ष

■ गुजरात में आदिवासियों के बीच रैली में केजरीवाल ने कहा कि, हम आदिवासियों के हर इलाके में स्कूल और मोहल्ला क्लिनिक शुरु करेंगे

के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। केजरीवाल ने यह भी कहा कि अगर आम आदमी पार्टी गुजरात में सत्ता में आती है, तो प्रत्येक आदिवासी गांव में एक अच्छा सरकारी स्कूल और एक मोहल्ला क्लिनिक खोला जाएगा। इसके अलावा आदिवासियों के मुफ्त इलाज के लिए क्षेत्र में मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाने और उन लोगों को घर देने का भी वादा किया, जिनके पास खुद का घर नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी गांवों को भी सड़कों से जोड़ेगी। दरअसल, संविधान की 5वीं अनुसूची अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन व नियंत्रण से संबंधी प्रावधानों से संबंधित है। पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, जिसे पेसा अधिनियम के नाम से भी जाना जाता है, को 1996 में संसद की ओर से अधिनियमित किया गया था।

पेसा अधिनियम के तहत देश के विभिन्न राज्यों को अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को मजबूत करने के लिए इस अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए नियम बनाने को कहा गया था।

'मौसम विज्ञान एजेंसियों के लिए सटीक गणना करने का काम बहुत मुश्किल हो गया है'

आई.एम.डी. के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, जलवायु परिवर्तन से मानसून में भारी उतार-चढ़ाव के कारण गणना का पैटर्न डिस्टर्ब हो गया है

नई दिल्ली, 7 अगस्त। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइ.एम.डी.) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा है कि, जलवायु परिवर्तन ने मौसम संबंधी गंभीर घटनाओं की सटीक भविष्यवाणी करने की विश्वभर की पूर्वानुमान एजेंसियों की क्षमता को प्रभावित किया है। लिहाजा, आइ.एम.डी. इस चुनौती से निपटने के लिए और अधिक रडार स्थापित कर रहा है और अपनी उच्च प्रदर्शन वाली गणना प्रणाली (हाई परफार्मेंस कंप्यूटिंग सिस्टम) को अपडेट कर रहा है।

मीडिया इंटरव्यू में भारत में मानसून पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव

■ महापात्र ने कहा कि, हालांकि 1970 से लेकर अब तक के वर्षा के दैनिक डाटा के विश्लेषण से पता चलता है कि, देश में भारी वर्षा के दिनों में वृद्धि हुई है, जबकि हल्की या मध्यम स्तर की वर्षा के दिनों में कमी आई है। इसका मतलब है कि, अगर वर्षा नहीं हो रही है तो एकदम नहीं हो रही है और अगर हो रही है तो बहुत ज्यादा पानी बरस रहा है।

के बारे में पूछे जाने पर महापात्र ने कहा, हमारे पास 1901 से लेकर अब तक का मानसूनी वर्षा का डिजिटल डाटा उपलब्ध है। इसके तहत उत्तर, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में वर्षा में कमी, जबकि पश्चिम राजस्थान जैसे पश्चिम के कुछ क्षेत्रों में वर्षा में वृद्धि हुई है। महापात्र ने कहा, पूरे देश पर गौर करें तो मानसूनी वर्षा का कोई स्पष्ट रुझान नजर नहीं आता। मानसून अनियमित है और इसमें व्यापक स्तर पर उतार-चढ़ाव देखने को मिलते हैं।

महापात्र ने कहा कि हालांकि 1970 से लेकर अब तक के वर्षा के दैनिक डाटा के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में भारी वर्षा के दिनों में वृद्धि हुई है, जबकि हल्की या मध्यम स्तर की वर्षा के दिनों में कमी आई है। इसका मतलब है कि अगर वर्षा नहीं हो रही है तो एकदम नहीं हो रही है और अगर हो रही है तो बहुत ज्यादा पानी बरस रहा है।

अध्ययनों ने साबित किया है कि भारी वर्षा की घटनाओं में वृद्धि और हल्की वर्षा के दिनों में कमी जलवायु परिवर्तन का नतीजा है। जलवायु परिवर्तन से वातावरण में अस्थिरता बढ़ गई है।

श्रीकांत त्यागी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद भाजपा ने उससे पल्ला झाड़ लिया था। सोसाइटी के लोगों के अनुसार, श्रीकांत सब पर अपनी पावर का रौब झाड़ता था और उसके द्वारा किए गए अतिक्रमण के खिलाफ बोलने पर अपशब्द कहता था। सोसाइटी के ज्यादातर लोग उसके आतंक से परेशान थे।

यह मामला मीडिया में आने के बाद भाजपा के स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा ने शनिवार को सोसाइटी के लोगों से मुलाकात कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया था कि श्रीकांत त्यागी का भाजपा से कोई संबंध नहीं है और वह पार्टी का सदस्य भी नहीं है।

भाजपा के स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले को संज्ञान में लिया है।

उन्होंने कहा कि आरोपी पर कड़ी कार्रवाई होगी और 48 घंटे के अंदर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि इस तरह की हरकत करने वाले समाज के दुश्मन हैं।

'कोटपूतली नगरपरिषद् ने तानाशाहीपूर्ण रवैये से मकान और दुकानें ध्वस्त कीं'

पीड़ितों का आरोप है कि, बिना भूमि अधिग्रहण और बिना मुआवजा दिये रात के अंधेरे में तोड़फोड़ की गई

कोटपूतली, 7 अगस्त (नि.सं)। कोटपूतली में मास्टर प्लान 2011 के अनुरूप कस्बे के मुख्य चौराहे से लेकर नगरपालिका तिराहा तक 80 फीट व पूर्व सिनेमा से लेकर पूतली कट तक 60 फीट सड़कों के चौड़ाई करण को लेकर स्थानीय नगर परिषद् प्रशासन सुबह करीब 5 बजे एल.एन.टी., जे.सी.बी. व पोपलैण्ड मशीनों के साथ नगर परिषद् स्टाफ व भारी मात्रा में पुलिस प्रशासन का अमला निर्माण हटाने के लिए पहुंचा।

शनिवार को प्रथम चरण में एल.बी.एस. कॉलेज के छात्रावास की ओर 22 दुकानों समेत पुरानी नगर पालिका तिराहे पर अग्रसेन सर्किल के पास शेखावत भवन, भरगड़ प्लाजा, कौशिक मार्केट, पुस्तक मार्केट में करीब 68 दुकानें हटाई गई। प्रशासन द्वारा गठित चारों टीमों ने एक साथ कार्यवाही को अंजाम देते हुए सुबह करीब 10 बजे तक अधिकांश संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया था। इस दौरान कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों के व्यापारी सामान तक नहीं उठा पाये थे कि प्रशासन का पीला पंजा इमारतों को जमीरोंध करता नजर आया। कार्यवाही के दौरान पहले फेज में कुल 68 संरचनाओं को ध्वस्थ किया है। इसी बीच महालक्ष्मी मिष्ठान भण्डार के पास प्रशासन जैसे ही सामान से भरे अमृत कैलेक्शन शोरूम पर पीला पंजा चला रहा था।

उसी दौरान परिषद् का एक कर्मचारी अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। जैसे ही कर्मचारी के अचानक बेहोश होने भनक प्रशासन को लगी तो प्रशासनिक अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई और आनन-फानन में उक्त कर्मचारी को एम्बुलेंस की सहायता से राजकीय बी.डी.एम. अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान कार्यवाही यथावत जारी रही। देर रात तक प्रशासन की जे.सी.बी., हाईवा व ड्रिल मशीनें चलती रही। आनन-फानन

■ इन लोगों के मुताबिक, नगरपरिषद् ने मात्र 24 घंटे का नोटिस चस्पा कर मकान-दुकानें खाली करने को कहा, जबकि राजस्थान हाईकोर्ट ने 7 जनवरी 2022 को आदेश दिये थे कि, पीड़ितों को कम से कम 15 दिन का नोटिस देकर सुनवाई की जाये, भूमि अधिग्रहित कर मुआवजा भी दें।

में की गई कार्यवाही से जहां बिजली विभाग को भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। वहीं दिनभर लोग बिजली, पानी व इन्टरनेट सेवाओं तंग रहे। इधर प्रशासन द्वारा कि जा रही कथित दमनात्मक कार्यवाही का विरोध करने पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश गोयल, एडवोकेट बजरंग लाल शर्मा, एडवोकेट मनोज नारायण शर्मा, भाजपा नेता सुभाष घोघड़, भाजपा नेता प्रवीण बंसल व संघर्ष समिति के पंडित किशोरलाल नेताजी को हिरास्त में ले लिया। इस दौरान विरोध करने आये लोगों से प्रशासनिक अधिकारियों की तीखी नोंक-झोंख भी हुई। लोगों का आरोप था कि प्रशासन राजनैतिक दबाव में आकर व्यापारियों के खिलाफ दमनात्मक कार्यवाही कर रहा है। जो कोटपूतली की जनता की भावनाओं के लिए कुठाराघात है।

प्रशासन द्वारा कि जा रही कार्यवाही को आमजन दो नजरियों से देख रहा है। एक नजरिये में जहां आमजन इस कार्यवाही को विकास के आईने में देख रहा है। वहीं दूसरी और लोग इसे विकास की जगह विनाश के आईने से आंक रहे है। कार्यवाही के दौरान ए.डी.एम. जगदीश आर्य समेत एस.डी.एम. ऋषभ मण्डल, मौका मजिस्ट्रेट तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा, ए.एस.पी. विधा प्रकाश, यातायात ए.एस.पी. सुमित गुप्ता, डी.एस.पी. डॉ. संध्या यादव, शाहपुरा डी.एस.पी. सुरेन्द्र कृष्णियां, एस.एच.ओ. सवाई सिंह सहित पनियाला, सरूण्ड, प्रागपुरा, चंदवाजी, शाहपुरा, भाबरू समेत 8 थानों का पुलिस जाप्ता एवं एस.टी.एफ. जवानों की पूरी कम्पनी को मिलाकर करीब 500 जवान सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहे। नगर परिषद् की ओर से आयुक्त फतेह सिंह मीणा के नेतृत्व में समस्त निर्माण हटाने की कार्यवाही की गई।

आयुक्त ने बताया कि प्रथम चरण में शनिवार को करीब 68 निर्माण हटाये गये है। साथ ही स्टे वाले निर्माणों को फिलहाल छोड़ दिया गया है। अगली कार्यवाही द्वितीय चरण में स्वतंत्रता दिवस के बाद की जायेगी। जिसके लिए अलग से नोटिस भी जारी किये जायेगें। जबकि तृतीय चरण में नीलाम की गई सम्पत्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

ए.डी.एम. जगदीश आर्य ने आमजन व व्यापारियों को प्रशासन का सहयोग करने के लिए धन्यवाद् दिया है।

गौरतलब है कि नगर परिषद् द्वारा मुख्य चौराहे से अग्रसेन सर्किल व आसपास के सम्पत्ति मालिकों को शुक्रवार को ही 24 घण्टों में निर्माण हटाने के निर्देश दिये गये थे। आयुक्त फतेह सिंह मीणा ने यह भी बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा दिये गये निर्देशानुसार ही समस्त कार्यवाही पूर्णतया: शांतिपूर्ण तरीके से की गई है। जिसमें स्थानीय व्यापारियों का भी प्रशासन को भरपुर सहयोग मिला है। बड़ी संख्या में व्यापारियों ने स्वयं ही अपनी दुकानों को पहले ही खाली कर लिया था। परिषद् द्वारा दोनों मुख्य मार्गो को मास्टर प्लान के तहत क्रमश: 80 व 60 फिट चौड़ा किया जा रहा है। आपको बता दें कि विगत दिसम्बर 2021 में भी उक्त कवायद के चलते आम नोटिस व व्यक्तिगत नोटिस के माध्यम से दोनों मार्गो को चौड़ा करने की कार्यवाही शुरू की गई थी। जिसके विरोध में एक ओर जहाँ धरना प्रदर्शन शुरू हो गया था।

वहीं सम्पत्ति मालिकों ने उक्त कार्यवाही को विधि विरूद्ध बताते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में याचिकायें दायर की थी। जिस पर न्यायालय ने नगर परिषद् को व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए 30 दिवस में विस्तृत एवं सकारण आदेश पारित करने व तब तक याचीगण के विरूद्ध कोई कार्यवाही ना करने के निर्देश दिये गये थे।

साथ ही नगर परिषद् को मौका एवं दस्तावेजों की जाँच कर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही करते हुए प्रभावितों की मुआवजा राशि तैय करने के लिए भी निर्देशित किया गया था।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908